कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-12

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 16 ▪ मूल्य 6 रुपये

तराई क्षेत्र का सबसे बड़ा एवं आधुनिक दांतों का अस्पताल
DR. NITIN
Dr. Nitin Dental & Implant Centre
Grand Opening
DATE : 25 NOVEMBER 2025 | TIME : 02:00 PM
FACILITIES AVAILABLE :
CBCT - 3D COMPUTERISED DENTAL IMAGING
DENTAL IMPLANTS
OPG - FULL MOUTH COMPUTERIZED X-RAY
R.C.T.
DENTURE
ORTHODONTIC TREATMENT
DISIMPACTION
EXTRACTION
ALL TYPES OF DENTAL TREATMENTS
CHIEF GUEST :
MR. JITIN PRASAD
MINISTER OF STATE, GOV. OF INDIA
(COMMERCE AND INDUSTRY; ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY)
DR. NITIN BHARTI
BDS, Implantologist
8433133979
Venue : Near Khakra Pull, Chandoi - Pilibhit

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस
हार्दिक शुभकामनाएं
गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पूरनपुर (पीलीभीत)
1-बी.ए., बीकॉम, बीएससी कृषि , एम.ए. आठ विषय में (हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, उर्दू, गृहविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र)
2-एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. की इकाई का संचालन
3-महामहिम श्री राज्यपाल महोदय द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कराने वाला तहसील का एकमात्र महाविद्यालय
4-छात्रों के कौशल विकास हेतु समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन
5-छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु नि:शुल्क मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग कोचिंग की व्यवस्था
6-छात्रहित में शासन की समस्त महत्वपूर्ण योजनाओं का ससमय क्रियान्वन
शुभकामनाओं सहित
डॉ० सुधीर कुमार शर्मा (प्राचार्य)
डॉ० अरविन्द दीक्षित
डॉ० पिन्दर सिंह
शाहिद खान
अनूप कुमार शुक्ला
आशीष कंचन

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें
स्थापना दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
सभ्यता देवी वर्मा
ब्लाक प्रमुख
मरोरी, पीलीभीत
संजय सिंह गंगवार
राज्य मंत्री गन्ना एवं चीनी मिलें
उत्तर प्रदेश सरकार

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-12

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ' 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' ' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

सुपर स्टार की दौड़ से दूर... पर किसी से कम नहीं

पंजाब में 1935 में जन्मे धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल था। अपने करियर में उन्होंने शोले, चुपके-चुपके, सत्यकाम, अनुपमा, सीता और गीता जैसी कई एक्शन, रोमांस और हास्य के साथ कई संजीदा फिल्में दीं जो सुपर हिट थीं। वह कभी भी सुपर स्टार की दौड़ में शामिल नहीं हुए लेकिन उनकी भूमिका को कभी कम भी नहीं आंका गया। धर्मेन्द्र करियर के शुरुआत में ड्रिलिंग फर्म में पार्ट-टाइम नौकरी करते थे, जहां उन्हें 200 रुपये मिलते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि मुंबई में शुरुआती समय में उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। वह एक गैराज में सोते थे।

अभिनेता धर्मेंद्र जी भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। - **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

लोकप्रिय फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दु:खद, कला और फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। ॐ शांति! - **योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री**

दिल्ली में 50% कर्मचारियों के लिए बाध्यकारी वर्क फ्रॉम होम

वायु प्रदूषण: निजी और सरकारी दोनों कार्यालयों पर लागू होगा सरकार का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का बाध्यकारी आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे। यह आदेश दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों और राजधानी में संचालित निजी संस्थानों पर लागू होगा। इससे पहले सरकार ने निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का सुझाव दिया था। यह पहला मौका है जब इस तरह की बाध्यता लागू की गई है।

दिल्ली सरकार ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को सरकार के पर्यावरण विभाग की ओर से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के तहत यह आदेश जारी किया गया है। दिल्ली में संचालित सभी निजी कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ चलेंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के नाम से जारी आदेश में कहा गया है कि शेष कर्मचारी अनिवार्य रूप से घर से काम करेंगे। कहा गया है कि निजी प्रतिष्ठान भी जहां भी संभव हो, अलग-अलग कार्य घंटों को लागू करेंगे। ऐसे प्रतिष्ठान घर से काम करने के मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगे और कार्यालय आवागमन से जुड़े वाहनों की आवाजाही को कम से कम करेंगे। पर्यावरण विभाग ने अपने आदेश में कहा, सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे और 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होंगे। शेष कर्मचारी घर से काम करेंगे।

- अस्पताल, निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, अग्निशमन सेवाएं, सार्वजनिक परिवहन, जल एवं साफ-सफाई जैसी आवश्यक सेवाओं को प्रतिबंध से छूट दी गई है
- सरकार के निर्देश के मुताबिक जिलाधिकारी, पुलिस उपायुक्त और स्थानीय निकाय सुनिश्चित करें कि सभी निजी कार्यालय इस आदेश का पालन करें।
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच या उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत जारी इन निर्देशों का उल्लंघन कानूनों के तहत दंडनीय होगा।

लगातार बिगड़ रहे हालात, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 400 पार

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता सोमवार को भी 'गंभीर' श्रेणी के करीब रही। शहर का समग्र एक्यूआई 382 रहा, जबकि 15 निगरानी केंद्रों में सूचकांक 400 से ज्यादा रहा। सोमवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 पर पहुंच गया, जो लगातार 11वें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। पर्यावरण विभाग ने कहा कि चूंकि वाहन शहर के प्रदूषण स्तर में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं, इसलिए यह महसूस किया गया कि वाहनों की आवाजाही पर और अधिक अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

बेटियों ने अब कबड्डी का वर्ल्ड कप जीता

ढाका। देश की बेटियां उपलब्धियों का अंबार लगा रही हैं। टी-20 क्रिकेट के दो वर्ल्ड कप जीतने के बाद सोमवार को देश की महिला टीम ने चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर कबड्डी विश्वकप भी जीत लिया। यह उनका लगातार दूसरा विश्व कप है। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33 .21 से हराया था। चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिए बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। - **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

सामाजिक समरसता व सामाजिक हितों को पूर्ण रूप से उजागर व सशक्त करने का सफल माध्यम

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

को

स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकानाएं

'मेरा शहर-मेरी प्रेरणा'

आपकी प्रेरक पहल है।

ramaa shyama
Eco Kraft Paper

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस पर आज सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है।

तमिलनाडु में दो बसों की टक्कर में 6 की मौत

तेनकासी। तेनकासी जिले के इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिला और एक पुरुष था। यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। एक बस मदुरै से सेनकोट्टई और जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदे से संबंधित याचिका पर नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का 'गुमनाम' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं। याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे और उन्होंने भी न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बधाई दी। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला युद्धक जहाज

मुंबई, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है।

यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है। आईएनएस माहे के जलावतरण समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

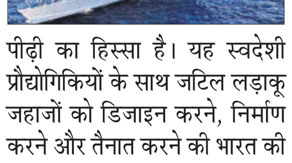

80 प्रतिशत स्वदेशी प्रौद्योगिकी

तटीय रक्षा का नेतृत्व

नौसेना ने कहा, यह पोत तटीय रक्षा की पहली पंक्ति का निर्माण करेगा, और बड़े लड़ाकू जहाजों, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत होकर भारत के समुद्री परिचालन क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखेगा। इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सीडीओ ने निरीक्षण कर परखी हकीकत

पीलीभीत, अमृत विचार : सीडीओ राजेश कुमार श्रीवास ने सोमवार को ग्राम पिपरिया भजा और कंजा हरैया पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान मनेरगा / ग्राम निधि के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कराए गए कार्यों को देखा। उनकी वास्तविक स्थिति परखी गई। इसके अलावा ग्रामीणों से भी वार्ता कर इनपुट लिया गया। इस स्थलीय भौतिक निरीक्षण करने के साथ ही अभिलेख भी देखे गए। सीडीओ के निरीक्षण से खलबली मची रही।

पति समेत छह पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने जिंदा जलाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम गुर्ज गोटिया निवासी प्रीति देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी शादी 9 फरवरी 2023 को न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बिथरा के रहने वाले अश्वनी कुमार से हुई थी। अतिरिक्त दहेज में ससुराल वाले दो लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। इसके पूरा न होने पर पति, सास निर्मला देवी, ससुर अशोक कुमार, देवर राहुल, नंदोई तेजपाल, नंद जयमती ने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उसके ऊपर डीजल डालकर जलाने की भी कोशिश की गई थी। 19 फरवरी 2024 को मारपीट कर घर से निकाल दिया। उसके बाद से मायके में रह रही है। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी छोड़ सब नदारद कहीं आपस में बतियाते मिले शिक्षक

गैरहाजिर स्टाफ का एक दिन का काटा वेतन, प्रभारी बीएसए ने दी कार्रवाई की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

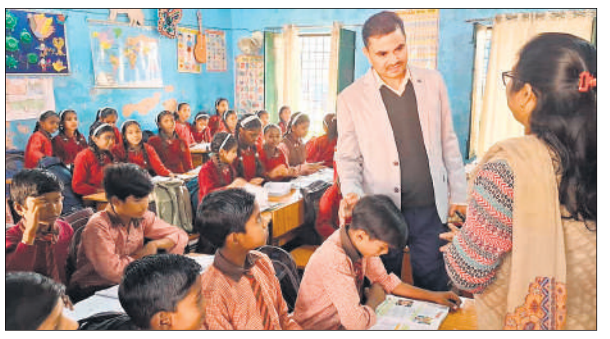

एक स्कूल में बच्चों से सवाल जवाब कर शिक्षण कार्य की गुणवत्ता परखते प्रभारी बीएसए।

अमृत विचार: प्रभारी बीएसए के निरीक्षण में स्कूलों में चली आ रही कमियां सामने आ गई। एक स्कूल में सिर्फ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मौजूद मिला, जबकि दूसरे स्कूल में शिक्षक क्लास छोड़कर आपस में बातचीत कर रहे थे। इस पर प्रभारी बीएसए ने गैरहाजिर शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटा और बातचीत करने वालों को कार्रवाई की चेतावनी दी गई। हालांकि एक स्कूल में बेहतर व्यवस्था मिलने पर सराहना भी की। इस दौरान एसआईआर के तहत कराए जा रहे कार्य को भी परखा।

प्रभारी बीएसए दर्वेश कुमार सोमवार को स्कूलों का निरीक्षण करने पहुंचे। एसआईआर के तहत किए जा रहे कार्यों को भी बारीकी से देखा। जल्द से जल्द गणना प्रपत्रों को जमा कर उनकी फीडिंग करने के निर्देश दिए। सुबह 9 बजे पहले उच्च प्राथमिक विद्यालय जसौली गए। निरीक्षण के दौरान स्कूल के हालात देखकर वह खुद दंग रह गए। स्कूल का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही केवल उपस्थित मिला, स्कूल के सभी शिक्षक अनुपस्थित थे। बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मिले शिक्षकों की लापरवाही पर नाराजगी जताई। प्रभारी बीएसए ने समस्त स्टाफ का एक दिन का वेतन काटा। प्रभारी बीएसए के सख्त रुख से आसपास के अन्य स्कूलों के स्टाफ में भी खलबली मची रही। इसके बाद बीएसए ने पीएमश्री विद्यालय कटकवारा का भी निरीक्षण किया। यहां कुछ शिक्षक क्लास में शिक्षण कार्य न कर आपस में बातचीत करते मिले। इस पर उन्हें फटकार लगाई गई।

- प्रभारी बीएसए के निरीक्षण में लापरवाही उजागर, वेतन कटने से मचा हड़कंप

चेतावनी दी गई कि दोबारा निरीक्षण में ऐसे हालात मिले तो कार्रवाई तय है। इसके बाद प्रभारी बीएसए ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र में पहुंचे। प्राइमरी विद्यालय राजीव कॉलोनी का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां समस्त शिक्षक उपस्थित मिले। स्कूली बच्चों की उपस्थिति भी संतोषजनक मिली। शैक्षिक गुणवत्ता परखने के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं से सवाल -जवाब भी किया। कंपोजिट विद्यालय बरहा का निरीक्षण करने के दौरान बीएसए ने एसआईआर का कार्य कर रहे शिक्षकों , कर्मचारियों को समय से और ज्यादा से ज्यादा बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कुछ जगह खामियां सामने आई थी ।इस पर कार्रवाई की गई है और चेतावनी भी दी है।

बोर्ड पर हल कराए सवाल, पढ़वाई किताबें

बीएसए ने निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं में शिक्षा की गुणवत्ता भी परखी। उन्होंने बच्चों से ब्लैक बोर्ड पर गणित के सवाल हल करवाए। जिन बच्चों को कुछ कठिनाई हुई, उनको टिप्स भी दिए। इसके अलावा पाठ्य पुस्तकें भी पढ़वाई गई। प्राइमरी विद्यालय राजीव कॉलोनी में शैक्षिक गुणवत्ता बेहतर मिलने पर विद्यालय स्टाफ की सराहना भी की।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

घुंघचिहाई, अमृत विचार : पत्नी और बच्चों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पिकअप ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव खमरिया पट्टी निवासी धनीराम (35) अपनी पत्नी मोरकली, बेटी आराध्या (8) और ममता (5) के साथ सोमवार शाम बाइक से शाहजहांपुर जनपद के बंडा थाना क्षेत्र के गांव उगनापुर में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। सोमवार शाम पूरनपुर-मैगलगंज मार्गपर एक बाइक एजेंसी के पास पहुंचते ही पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सभी घायल हो गए। उन्हें पूरनपुर सीएचसी भिजवाया गया। वहां चिकित्सक ने धनीराम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पिकअप को कब्जे में लेकर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

शराब को लेकर भिड़े बराती, होमगार्ड को दौड़ाया

पीलीभीत, अमृत विचार : नौगवां चौराहे पर दो अलग-अलग बरातों में शामिल होने पहुंचे बरतियों में शराब को लेकर विवाद हो गया। तूल पकड़ने पर उनमें मारपीट हो गई। इसमें एक युवक घायल हो गया। बीच-बचाव कराने पहुंचे होमगार्ड को आरोपियों ने दौड़ा दिया। हालांकि बाद में सुनगढ़ी पुलिस पहुंची और सख्ती की।

नौगवां चौराहा पर शराब के ठेके पर दो अलग-अलग बरातों में शामिल युवक शराब लेने के लिए पहुंचे थे। पहले शराब लेने के लिए दोनों में कहासुनी हो गई। ठेका संचालक ने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में विवाद बढ़ता चला गया। देखते ही देखते दोनों में धक्का मुक्की होने लगी। इतने में दोनों अपने साथियों को बुला लाए। जमा हुए लोगों में मारपीट शुरू हो गई। इस बीच एक युवक के सिर में ईंट लगने से घायल हो गया। वहीं शोर सुनकर पहुंचे होमगार्ड ने दोनों पक्षों में बीच बचाव करने का प्रयास किया। बताते हैं कि युवक होमगार्ड से भिड़ गए और दौड़ा दिया। विवाद की जानकारी होने पर सुनगढ़ी थाना से पुलिस टीम पहुंची। तब तक आरोपी मौके से भाग चुके थे। पुलिस ने आसपास मौजूद भीड़ को हटाया।

व्यापार मंडल को मजबूत बनाने के लिए सौंपी जिम्मेदारियां

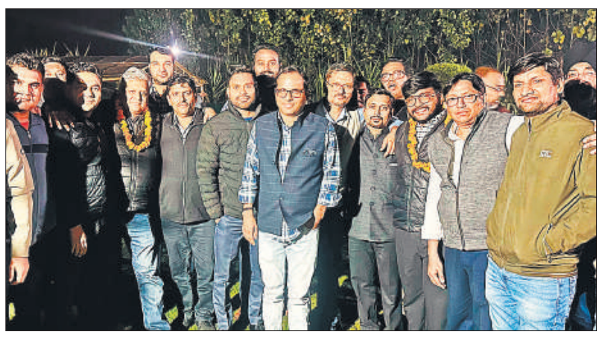

बैठक में शामिल हुए व्यापारी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक सोमवार देर शाम हुई। जिसमें संगठन के विस्तार, एसआईआर अभियान की आगामी कार्ययोजना और शिथिल हुई इकाइयों के पुनर्गठन को लेकर चर्चा की गई। बड़ी संख्या में व्यापारियों की उपस्थिति के बीच कई अहम प्रस्तावों पर सर्वसम्मति बनी।

बैठक के दौरान संगठन को नई ऊर्जा व सुदृढ़ दिशा देने के उद्देश्य से युवा इकाई और जिला कमेटी में कइयों को जिम्मेदारी सौंपी गईं। दीप अग्रवाल को युवा विंग जिलाध्यक्ष बनाया गया। सुमित जैसवार को जिला उपाध्यक्ष, विजय यादव को नगर उपाध्यक्ष, शिवेश बंसलिया को नगर अध्यक्ष, शुभम गुप्ता को नगर कोषाध्यक्ष बनाया गया। बैठक में विभिन्न शिथिल कमेटियों के पुनर्गठन का प्रस्ताव भी रखा गया, जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। एसआईआर को जिलेभर के बाजारों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता बढ़ाने की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस मौके पर मयंक अग्रवाल, सुमित जैसवार, हिमांशु पटेल, दीप अग्रवाल, प्रियांश अग्रवाल, अमित शुक्ल, माणिक मित्तल, अंकुर अग्रवाल, दीपांशु, तरुण आदि व्यापारी मौजूद रहे।

- विभिन्न शिथिल कमेटियों के पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा गया

सुविधाओं के आधार पर तय होंगे परीक्षा केंद्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- संसाधनऔर टेक्नोलॉजी आधारित प्रणाली से होगा चयन
- 30 दिसंबर को जारी होगी अंतिम सूची

अमृत विचार : यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा को नकलविहीन और व्यवस्थित बनाने के लिए इस बार परीक्षा केंद्रों का चयन पूरी तरह अंक प्रणाली पर आधारित होगा। कॉलेजों की उपलब्ध सुविधाओं से लेकर उनकी शैक्षिक उपलब्धियों तक हर पहलू को अंक देकर आंका जा रहा है। जिन स्कूलों के अंक ज्यादा होंगे, उन्हें परीक्षा केंद्रों की सूची में प्राथमिकता मिलेगी। अब बोर्ड की ओर से परीक्षा केंद्रों के अंको का निर्धारण करते हुए अंतिम केंद्र सूची जारी की जाएगी।

बता दें कि यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया तेज हो गई है। बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से प्रस्तावित हैं और जिले में हाईस्कूल के 23241 और इंटरमीडिएट के 18580 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो परीक्षा देंगे।

परीक्षाओं को निष्पक्ष और नकल मुक्त कराने को लेकर इस बार केंद्रों के चयन में कई अहम बदलाव लागू किए गए हैं। परीक्षा केंद्र बनाए जाने से पहले सभी विद्यालयों को अंकों की परीक्षा से गुजरना होगा। विद्यालयों की उपलब्ध सुविधाओं, तकनीकी व्यवस्था, शैक्षिक प्रगति, धारण क्षमता और पूर्व परीक्षा परिणामों के आधार पर अंक निर्धारित किए गए हैं। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक परिणाम देने वाले स्कूलों को 10-10 अंक दिए जाएंगे। बच्चों की क्षमता के अनुसार 30 अंकों तक का निर्धारण किया गया है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी पर 10 अंक, स्मार्ट क्लास संचालित होने पर 10 अंक, जिले व राज्य के टॉप टेन में छात्रों के शामिल होने पर 10 और 20 अंक, ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यालयों को 10 अंक मिलेंगे। जो विद्यालय वर्ष 2025 में परीक्षा केंद्र रहे हैं, उन्हें 20 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलेगा। अंतिम चरण पूरा होने के बाद 30 दिसंबर को परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। डीआईओएस राजीव कुमार ने बताया कि सूची बोर्ड को उपलब्ध करा दी गई है ।वहां अंकों के आधार पर अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

बीसलपुर चीनी मिल का 48वां पेराई सत्र शुरू

बीसलपुर, अमृत विचार: किसान सहकारी चीनी मिल के 48वें पेराई सत्र की सोमवार से शुरुआत हो गई। पूर्व मंत्री रामसरन वर्मा, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, मिल के उपसभापति नरेश चंद शर्मा ने हवन पूजन के बाद पटले पर गन्ना डालकर शुरुआत कराई। पहले गन्ना लेकर आने वाले दो किसानों को सम्मानित किया गया।

किसान सहकारी चीनी मिल के वर्ष 2025-26 के 48 वें पेराई सत्र को लेकर पूर्व में तैयारियां कर ली गई थी। सोमवार को इसकी विधिवत शुरुआत कराई गई। सबसे पहले ट्रैक्टर ट्रॉली से गन्ना लेकर पहुंचे ग्राम अमरा करोड निवासी मेवाराम और बैलगाड़ी से गन्ना लेकर आए ग्राम महेशापुर निवासी शमशेर बहादुर को माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

उन्हें उपहार भी दिए गए। डीएम ने बैलगाड़ी के बैलों का भी पूजन किया। हवन पूजन पंडित बाबूराम शर्मा ने कराया। इस मौके पर मिलकर प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता, मुख्य गन्ना अधिकारी अवधेश कुमार, चीफ इंजीनियर बृजेंद्र सिंह, चीफ केमिस्ट विद्याराम शुक्ला, दीपक मिश्रा,संचालक राकेश चंद्र मित्तल, मजदूर यूनियन संघ के अध्यक्ष श्याम बहादुर शर्मा आदि मौजूद रहे। प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष चीनी मिल को गन्ने की पेराई 31 लाख क्विंटल और रिकवरी 10 प्रतिशत का विभाग द्वारा लक्ष्य दिया गया है। किसानों के गन्ना लाने के लिए चीनी मिल का यार्ड और किसानों के ठहरने के लिए गन्ना भवन तैयार करा दिया गया है। पहले दिन 10 हजार क्विंटल का इंडेंट जारी किया गया था।

आज का मौसम

सूर्योदय 06.41

23.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त 05.16

शहर में आज

- केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद का आगमन और संवाद कार्यक्रम सुबह 11.40 बजे से।
- श्रीबालाजी नीम करौली धाम कांशीराम आवास ईदगाह कॉलोनी में दरबार दोपहर 12 बजे से।
- भारतीय किसान यूनियन भानू की मासिक पंचायत अमरिया में सुबह 11 बजे से।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत कई जगह विशेष कैंप सुबह 10 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर मारपीट की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर जहानाबाद पुलिस ने नामकरण संस्कार के दौरान मारपीट और तोड़फोड़ करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम भौना निवासी नरेंद्र पाल ने बताया 7 सितंबर को उसके घर पर पुत्री का नामकरण संस्कार था। शाम 8 बजे गांव के छेदालाल, उमाशंकर, जगदीश, छोटू और बालकराम नशे की हालत में आ गए। घर के बाहर लगे जनरेटर से तार काट दिया और जनरेटर को पलटकर सारा डीजल भी गिरा दिया। जब वह बाहर आए तो आरोपियों ने गाली दी। विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट की। आरोप है कि आरोपी 10 हजार रुपये लूट ले गए और कुर्सियां समेत अन्य सामान में तोड़फोड़ की। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

टक्कर मारने पर बाइक चालक पर रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम शिवनगर निवासी संजीव कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पिता रामपाल 18 नवंबर को शाम 8 बजे रिश्तेदार अजय पाल के घर से लौट रहे थे। साइकिल पर पीछे श्यामू भी बैठा था। गांव के पास पहुंचते ही बाइक चालक अर्जुन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। जिसमें साइकिल सवार दोनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

डिजिटाइजेशन की गति धीमी, लगेंगे शिविर

पीलीभीत, अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य तमाम प्रयास के बाद भी तेजी नहीं पकड़ पा रहा है। फार्मों की डिजिटाइजेशन की रफ्तार धीमी है। ऐसे में जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम ने सभी बीईओ एवं ईओ को विधानसभा वार कैंपों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। जनपद में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की गति बेहद धीमी हैं। ऐसे में अब जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी खंड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों से गणना प्रपत्रों के वितरण एवं गणना प्रपत्रों को भरकर डिजिटाइजेशन का कार्य शत–प्रतिशत समय से पूरा किए जाने के लिए विधानसभावार मतदान केंद्र पर विशेष कैंपों का आयोजन किया जाएगा।

ब्लॉक प्रमुख की कार की टक्कर से पूर्व प्रधान के भाई की मौत, हंगामा

परिजन ने हत्या का आरोप लगाया, नहीं उठने दिया शव, देर रात तक मनाते रहे अफसर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

घटनास्थल पर बैठे मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

इसी कार से हुआ हादसा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक प्रमुख लिखी कार की टक्कर से स्कूटी सवार पूर्व प्रधान के भाई की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजन ने हत्या का आरोप लगाते हुए शव नहीं उठने दिया। एफआईआर की मांग पर अड़े रहे। देर रात तक पुलिस प्रशासनिक अफसर वार्ता में जुटे रहे। मौके पर भीड़ लगी रही।

हादसा पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम प्रसादपुर में सोमवार को हुआ। बताते हैं कि गांव रम्पुरा फकीरे के रहने वाले पूर्व प्रधान के भाई 45 वर्षीय श्रीकृष्ण पुत्र नंदराम स्कूटी से घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में प्रसादपुर गोशाला के पास पहुंचे इसी दौरान उनकी स्कूटी को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें स्कूटी सवार की मौत हो गई। कार पर ब्लॉक प्रमुख लिखा हुआ था, जो कि पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख की बताई जाती रही। कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर पूरनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। मृतक के परिवार वाले भी आ गए। इसके बाद मामला तूल पकड़ गया। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कारवाई की मांग शुरू कर दी। मृतक के पुत्र अरविंद का कहना था कि उनके पिता की हत्या कराई गई है, जिसे हादसे का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने हत्या की एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने का प्रयास किया लेकिन परिजन ने शव उठने नहीं दिया। इसके बाद मामला तूल पकड़ गया। मौके पर भीड़ जुटती गई लेकिन परीजन अपनी मांग पर अडिग रहे। कोतवाल पवन कुमार पांडे ने समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बन सकी। एसडीएम अजीत प्रताप सिंह, सीओ प्रतीक दहिया भी पहुंच गए। परिजन हत्या की एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। अफसरों से वार्ता चलती रही। देर रात तक शव मौके पर ही रहा, पुलिस से वार्ता चलती रही। मृतक के पुत्र का कहना था कि हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की जा रही है। ये हादसा नहीं है। उधर, कोतवाल पूरनपुर पवन कुमार पांडेय का कहना था कि परिजन हत्या का आरोप लगा रहे है। अधिकारियों से वार्ता चल रही है।

- **रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर परिजन घटनास्थल पर बैठे**

देर रात दर्ज हुई रिपोर्ट

मृतक के पुत्र अरविंद की ओर से पुरनपुर के ब्लॉक प्रमुख पति निर्विकार उर्फ अपूर्व सिंह, युद्ध वीर ऊर्फ विशु, अगम वीर सिंह, विचित्र सिंह के खिलाफ पुरनपुर कोतवाली में हत्या के रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इसके बाद परिजनों ने एफआई की कापी मिलने पर शव उठने दिया।

गोवंशों पर मंडराया लंपी का खतरा

पीलीभीत, अमृत विचार : गोवंशों पर लंपी वायरस का खतरा मंडरा रहा है। पशुओं में खतरनाक बीमारी लंपी स्किन डिजीज की जद में साल भर के गोवंश आ सकते हैं। ऐसे में पशुपालन विभाग ने इन्हीं गोवंशों को लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से शासन में वैक्सीन उपलब्ध कराने को डिमांड भेजी गई है। विभागीय अफसरों के मुताबिक वैक्सीन प्राप्त होते ही जनपद में टीकाकरण अभियान शुरू कराया जाएगा।

बता दें कि गोवंशीय पशुओं में लंपी बीमारी की शुरुआत इस बार पूर्वी यूपी से हुई है। हालांकि पिछली बार के अपेक्षा मृत्यु दर काफी कम है। पूर्व में जनपद में पशुओं को लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान चलाया गया था। उस दौरान चार माह तक के गोवंशों को इस टीकाकरण से दूर रखा गया था। दरअसल चाह माह तक के गोवंशों को वैक्सीनेशन नहीं किया जा सकता है। इधर अब पुनः लंपी वायरस ने दस्तक दे दी है। ऐसे में अब टीकाकरण से दूर रहे गोवंशों के लंपी वायरस की जद में आने की आशंका बढ़ गई है। शासन ने भी मामले का संज्ञान में लेते हुए टीकाकरण से वंचित रहे गोवंशों का वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण करने के आदेश दिए हैं।

अब घर या ब्लॉक मुख्यालय पर बैठकर नहीं चला सकेंगे पंचायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जल्द ही शुरू होगी पंचायत सचिवों की बायोमैट्रिक हाजिरी की व्यवस्था**
- **जनपद की 720 ग्राम पंचायतों के कामकाज और गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद**

अमृत विचार: अब पंचायत सचिव ब्लॉक मुख्यालय या घरों में बैठकर ग्राम पंचायतों का कामकाज नहीं निपटा पाएंगे। पंचायत सचिवों को भी अब ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी होगी। शासन स्तर से फरमान जारी किया जा चुका है। ऑनलाइन हाजिरी की यह व्यवस्था जनपद में भी जल्द लागू कर दी जाएगी।

जनपद में 720 ग्राम पंचायत हैं। इन ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी 92 पंचायत सचिवों को दी गई है। पंचायत सचिवों की संख्या कम होने के चलते किसी सचिव के पास दो तो किसी को तीन-तीन क्लस्टरों का आवंटन किया गया है। ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को दूर करने और सुविधाओं के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है। पंचायत भवन पर एक-एक पंचायत सहायक की भी तैनाती की गई है। ग्रामीणों को शिकायत रहती है कि ग्राम पंचायतों के सचिव ग्राम पंचायत के पंचायत भवन पर नहीं जाते हैं। अपना डोंगल दूसरे को देकर पंचायत भवन के कंप्यूटर के माध्यम से भुगतान कर देते हैं। जिससे संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को पंचायत सचिव से मिलने के लिए ब्लॉक या फिर सचिव के घर के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इधर, शासन स्तर से ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। शासन ने आदेश जारी करते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी की उपस्थिति ऑनलाइन कराने के निर्देश पंचायती राज विभाग को दिए हैं। इन अधिकारियों की उपस्थिति बायोमैट्रिक या ऑनलाइन दर्ज होगी। जिससे किसी भी स्तर पर मनमानी या हेराफेरी की संभावना न रहने पाए। ऐसे में हर पंचायत सचिव को रोजाना ग्राम पंचायतों जाकर अपनी हाजिरी लगानी होगी।

> शासन की ओर पंचायत सचिवों की बायोमैट्रिक अथवा ऑनलाइन हाजिरी लगाने का निर्देश दिया गया है। हालांकि अभी इस संबंध में शासनादेश प्राप्त नहीं हुआ है। शासनादेश मिलते ही यह व्यवस्था जनपद में भी लागू कर दी जाएगी। इससे निश्चित ही ग्राम पंचायतों के कामकाज और गुणवत्ता में सुधार होगा। **–रोहित भारती**, जिला पंचायत राज अधिकारी।

एएसपी ने थाने की व्यवस्था परखी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

निरीक्षण करते एएसपी विक्रम दहिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एएसपी विक्रम दहिया ने सोमवार शाम थाना बरखेड़ा का वार्षिक निरीक्षण किया। कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस, महिला/साइबर हेल्पडेस्क, हवालात आदि की व्यवस्थाएं परखीं।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को नियमित साप्ताहिक शास्त्राभ्यास कराने, अभिलेखों/प्रपत्रों को अद्यावधिक रखने, लंबित माल-मुकदमाती व लावारिस वाहनों का अभियान चलाकर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। ये भी कहा कि आईजीआरएस/सीएम हेल्पलाइन समेत अन्य स्रोतों से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। परिसर की साफ-सफाई, सीसीटीवी की नियमित जांच-रखरखाव और फ्लाई शीट व हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए गए।

धोखाधड़ी कर हड़पे रुपये, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला बागगुलशेर खां निवासी मुन्नी प्रकाश गंगवार ने सुनगढ़ी थाने में दी तहरीर में बताया गैस चौराहे के पास बालाजी पेपर प्रोजेक्ट के नाम से एक फर्म है, जो होलसेल पेपर प्लेट सप्लाई का काम करती है। इसके मालिक का नाम प्रवीण कुमार राघव है। सहायक मोनू राघव हैं। उक्त लोगों ने किस्तों पर पत्तल बनाने वाली फुल ऑटोमेटिक मशीन लेने की बात बताई। इसका लालच देकर एडवांस में तीस प्रतिशत रुपये जमा करने के लिए कहा गया। उनकी बातों में आकर उसके अलावा करीब दस लोगों ने रुपये जमा किए। रुपये देने के बाद भी उनको मशीन नहीं मिली। इसके बाद वह लोग ऑफिस बंद करके चले गए।

मोबाइल के बढ़ते उपयोग से खेलकूद से दूर हो रहे बच्चे

मितौली ,अमृत विचार: नवीन तहसील परिसर मितौली के निकट बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक स्तरीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि ने विधायक सौरभ सिंह सोनू ने कहा कि मोबाइल के बढ़ते उपयोग से बच्चे खेलकूद से दूर हो रहे हैं, जबकि पहले खेलकूद मनोरंजन के साथ-साथ स्वास्थ्य का प्रमुख साधन थे। उन्होंने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से नामांकित छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

सिर में चोट लगने से किसान की मौत

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: खेत में सिंचाई के लिए बोरिंग ठीक करते समय पंपिंग सेट का लोहा सिर में लगने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के गांव भैसाई पर्वतपुर निवासी गोपाल सिंह (45) खेती करते थे। रविवार सुबह करीब आठ बजे वह सिंचाई करने के लिए घर से पंपिंग सेट लेकर खेत पर पहुंचे थे। उनका 14 वर्षीय पुत्र पुष्कर भी मौजूद था। कुछ देर के बाद गोपाल सिंह के पिता मनोहर सिंह खाना लेकर खेत पर आ गए। बोरिंग से पानी न आने पर गोपाल सिंह कई लोगों की मदद से पंपिंग सेट को बोरिंग से जोड़ने में लगे हुए थे। इस बीच पंपिंग सेट का लोहा गोपाल सिंह के सिर में लग गया। उसे आनन-फानन में सीएचसी लाए। वहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां से भी परिजन रेफर कराकर शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। उसके बाद बरेली ले जाने की तैयारी कर रहे थे, रविवार रात मौत हो गई। परिजन शव घर ले आए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सोमवार को दरोगा अखिलेश सिंह चौहान पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे और जानकारी की। शव पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा रहा। उधर, बरखेड़ा के गांव बर्रामऊ निवासी सर्वेश कुमार रविवार को बाइक से गांव मचवाखेड़ा स्थित वृद्धाश्रम में रह रही मां मुन्नी देवी से मिलने जा रहे थे। इस दौरान ट्रक की टक्कर लगने से घायल हो गए थे। उसे सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। चौकी जिरौनिया इंचार्ज हिमांशु गौतम ने बताया कि घायल सर्वेश कुमार की रविवार रात करीब दस बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

- **बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम भैसाई पर्वतपुर में हुआ हादसा**

टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर चालक पर रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : गांव पतरासा कुंवरपुर निवासी चिंताराम ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया उनका पुत्र यशपाल वर्मा तहेरे भाई रामसरन के साथ कैंचुआ गांव से काम निपटाकर सात नवंबर को घर जा रहा था। टिकरी गैस एजेंसी के पास रामसरन बाइक खड़ी कर लघुशंका करने लगा। यशपाल बाइक के पास खड़ा था। इस दौरान पीलीभीत की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिसमें यशपाल की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

नियम पालन करने पर दिए हेलमेट, भेंट किए फूल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

वाहन चालक को फूल देते सीओ विधि भूषण मौर्य।

अमृत विचार: यातायात माह नवंबर के तहत नियमों के पालन के लिए चालकों को जागरूक करने के लिए सोमवार को भी कार्यक्रम किया गया। डिग्री कॉलेज चौराहा पर हुए कार्यक्रम में एएसपी विक्रम दहिया, सीओ यातायात विधि भूषण मौर्य पहुंचे। वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। वहीं, जो वाहन चालक नियमों का पालन करते पाए गए उनको फूल भेंट किया गया। इस कार्यक्रम को सड़क का शेर नाम दिया। सुरक्षित यातायात का संदेश दिया गया। इससे पहले एएसपी की अगुवाई में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक पुलिस लाइन में आयोजित की गई। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, ईओ नगर पालिका संजीव कुमार आदि शामिल हुए।

व्यापारियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, नगर क्षेत्र की स्वच्छता समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

एसआईआर में न बरतें लापरवाही

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बीसलपुर नगर पालिका में सभासदों के साथ बैठक करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी /डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर नगर पालिका बीसलपुर और नगर पंचायत बरखेड़ा के चेयरमैन एवं सभासदों के साथ बैठक संपन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चेयरमैन एवं सभासदों से घर-घर जाकर किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण एवं जमा करने की जानकारी ली और अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने कहा प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्र अवश्य पहुंचे, ताकि कोई भी सूची से वंचित न रह जाए। यदि किसी मतदाता का वोट अलग-अलग स्थानों पर है, तो वह एक स्थान का गणना प्रपत्र भरे। जिनका नाम 2003 और 2025 दोनों की सूची में नहीं है, वह 09 दिसंबर के बाद फार्म-6 भरकर प्रमाण के साथ जमा कर दें, जिससे कि उनका नाम सूची में शामिल किया जा सके। इस विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है, जिससे कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न होने पाए। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगर पंचायत बरखेडा क्षेत्र के अंतर्गत पंडित देवदत्त शर्मा जनता इंटर कालेज में एसआईआर के तहत किए जा रहे कार्यों के लिए लगाए गए कैंप का निरीक्षण किया। इस मौके पर एसडीएम नागेंद्र पांडेय, नगर पालिका अध्यक्ष बीसलपुर शशि जायसवाल के प्रतिनिधि अमन जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष बरखेड़ा श्याम बिहारी भोजवाल समेत सभासद मौजूद रहे।

- **जिला निर्वाचन अधिकारी ने चेयरमैनों एवं सभासदों से की सहयोग की अपील**

कंधे में फंसी थी गोली, मेडिकल कॉलेज में हुआ ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जमीन के विवाद में किया गया था हमला, सुनगढ़ी में हुई थी रिपोर्ट**

अमृत विचार: जमीन के विवाद में की गई फायरिंग में घायल हुए युवक का मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन किया गया। बताते हैं कि गोली कंधे में फंस गई थी।

बता दें कि शहर के मोहल्ला तुलाराम निवासी रामकिशोर ने सुनगढ़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि उनका व भाई गोकिल प्रसाद का पहले से पैतृक जमीन को लेकर विवाद है। 8 नवंबर को वह घर से गली में ही जा रहे थे। तभी पीछे से आकर गोकिल प्रसाद ने फायर कर दिया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर और आरोपी गोकिल प्रसाद को जेल भेज दिया था। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। दाईं कोहनी पर गोली लगी थी और निकास घाव नहीं था। प्रारंभिक परीक्षण में गोली का पता नहीं चला, लेकिन एक्स-रे में स्पष्ट हुआ कि गोली ऊपर बढ़ते हुए दाएं कंधे में जा फंसी है। स्थिति गंभीर होने पर मरीज को तत्काल ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. जगदम्बा शरण और उनकी टीम ने नसों व धमनियों को सुरक्षित रखते हुए कठिन सर्जरी कर गोली को बाहर निकाला। डॉक्टरों के अनुसार, गोली की गहराई और महत्वपूर्ण हिस्सों के पास होने से यह प्रक्रिया अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी। मरीज की स्थिति अब पूरी तरह स्थिर है और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया

स्थापना दिवस पर डांस की प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: बिरला ओपन माइंड्स प्री-स्कूल का दूसरा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।

निदेशक अंकुर गुप्ता, निर्मला गुप्ता, सेंटर हेड आकांक्षा अग्रवाल एवं शिक्षिकाओं ने मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य संतोष सचदेवा, विशिष्ट अतिथि राधारमण अग्रवाल एडवोकेट, डॉ. आशीष अनुरागी का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। प्री-नर्सरी के बच्चों ने डांस की प्रस्तुति दी। नर्सरी के बच्चों की प्रस्तुति भी सराही गई। हेल्थी व जंक फूड पर जागरुकता नाटक किया गया। डॉ.आशीष अनुरागी ने फूड अवेयरनेस अमंग चिल्ड्रेन पर प्रेजेंटेशन दी। शिक्षकों ने भी डांस किया। जादूगर मयंक कांडपाल ने अद्भुत करतब दिखाए तो वातावरण रोमांच और आश्चर्य से भर गया। इस मौके पर दिलीप अग्रवाल गुड्डू , डॉ. अश्विनी सचदेवा, राजीव अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, सुनील गुप्ता,डॉ. अंकित अग्रवाल, डॉ. मुकेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सतर्कता

फंदों और जालों की हो रही खोजबीन, प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड को बुलाने की चल रही तैयारी

बरखेड़ा में शुरू हुई एंटी–स्नेयर वॉक और एंटी–इलेक्ट्रोक्यूशन ड्राइव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बरखेड़ा क्षेत्र में खेतों के किनारे एंटी स्नेयर वॉक के दौरान खोजबीन करते डीएफओ व टीम।

अमृत विचार: वन्यजीवों के प्रति बढ़ते अपराध की रोकथाम के लिए वन महकमा लगातार सतर्कता बरत रहा है। इसी कड़ी में सामाजिक वानिकी प्रभाग की ओर से बीसलपुर के बरखेड़ा ब्लाक क्षेत्र में एंटी-स्नेयर वॉक और एंटी-इलेक्ट्रोक्यूशन ड्राइव शुरू की है। इससे शिकारियों द्वारा वन्यजीवों को पकड़ने के लिए लगाए गए फंदों, जाल आदि को खोजकर उन्हें नष्ट किया जा रहा है।

26 सितंबर को कलीनगर तहसील क्षेत्र के नगरिया कट के समीप एक तेंदुआ फंदे में फंस गया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तेंदुआ को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। हालांकि तेंदुआ की देर रात पिंजड़े में ही उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में 6 आरोपियों के विरुद्ध विभागीय केस भी दर्ज किया गया था। इसके अलावा करीब माह भर बाद ही यानी 1 नवंबर को शहर से सटे मरौरी ब्लाक के गांव लदपुरा में एक तेंदुआ फंदे में फंसा पाया गया था। इस तेंदुआ को भी ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। दोनों घटनाओं में लोहे के तार के बने फंदे का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही बीते 17 अक्टूबर को रुटीन गश्त के दौरान बराही रेंज की टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र में एक खेत में 75 रेशम के फंदे बरामद किए थे। इस मामले में एक आरोपी को भी हिरासत में लिया था। इधर सर्दी के मौसम में अवैध शिकार के बढ़ने की आशंका और लगातार वन्यजीवों के फंदे (स्नेयर) में फंसने की घटनाएं सामने आने के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व और सामाजिक वानिकी प्रभाग सजग हुआ है। पिछले दिनों टाइगर रिजर्व प्रशासन के निर्देश पर महोफ, माला एवं बराही रेंज से सटे इलाकों में वन अफसरों के नेतृत्व में एंटी स्नेयर वॉक की गई। इस दौरान टीम ने जंगल एवं जंगल से सटे इलाकों में फंदे और जाल आदि की खोजबीन की गई थी। इधर अब वन्यजीव अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर सामाजिक वानिकी प्रभाग ने भी सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। सामाजिक वानिकी प्रभाग ने बीसलपुर के बरखेड़ा क्षेत्र में वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया टीम, ग्राम प्रधानों, प्राइमरी रिस्पांस टीम, बाघ मित्र एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व के स्टाफ के सहयोग से वन्यजीवों के प्रति बढ़ते अपराध को रोकने के लिए गहन खोजबीन शुरू कर दी है।

इसको लेकर सामाजिक वानिकी प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके ने रेंज अधिकारी एवं स्टाफ समेत स्थानीय निकायों के साथ मिलकर रेंज के अति संवेदनशील बीट और जल निकायों के आस पास एंटी-स्नेयर वॉक और एंटी-इलेक्ट्रोक्यूशन ड्राइव शुरू कर दी है। टीम द्वारा क्षेत्र में पाए जाने वाले सभी प्रकार के स्नेयर (फंदे), कुड़का, जाल और उपकरणों की खोजबीन कर उन्हें नष्ट करने की कार्रवाई शुरू की गई है। खासतौर पर कुड़का की खोज के लिए मेटल डिटेक्टर का भी उपयोग किया जा रहा है। गहन खोजबीन के लिए दुधवा नेशनल पार्क, कालागढ़ टाइगर रिजर्व एवं उत्तराखंड से प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉयट को बुलाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

- **बढ़ते वन्यजीव अपराध पर सतर्क हुआ सामाजिक वानिकी प्रभाग**

> वन्यजीवों के प्रति बढ़ते अपराध को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। वन्यजीव अपराध की रोकथाम के लिए एंटी–स्नेयर वॉक और एंटी–इलेक्ट्रोक्यूशन ड्राइव शुरू की गई है। टीमों का गठन कर स्नेयर, जाल आदि खोजबीन शुरू कर दी गई है। इस ड्राइव का मुख्य उद्देश्य लोगों को वन्यजीवों के प्रति जागरूक एवं संरक्षित करने के लिए उत्साहित करना है। खोजबीन एवं निगरानी की यह प्रक्रिया आगामी दिनों में पीलीभीत की सभी रेंजों में निरंतर अपनाई जाएगी। **–भरत कुमार डीके,** डीएफओ, सामाजिक वानिकी प्रभाग

अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एवन हॉस्पिटल
तहसीलदार आवास के सामने, निघासन रोड पलिया कलां खीरी
हमारे यहां नार्मल डिलीवरी के साथ सभी प्रकार के ऑपरेशन सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है।
डायरेक्टर, जमील अहमद उर्फ पप्पू
प्रधान ग्राम दौलतापुर खीरी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बृज मौर्या
प्रदेश अध्यक्ष
किसान कांग्रेस, उत्तर प्रदेश
को-ऑर्डिनेटर हाथरस
137- विधानसभा, पलिया

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

खालसा ब्रिक फील्ड
गुरमीत सिंह

समाजसेवी प्रधान
ग्राम महंगापुर (खीरी)

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमान पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा जी के कुशल निर्देशन में
थाना संपूर्णानगर व परसपुर चौकी पुलिस आप की सेवा के लिए सदैव तत्पर
हरिनाथ पाल
चौकी इंचार्ज
पुलिस चौकी, परसपुर खीरी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम मोहन दीक्षित
ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष
प्रधान प्रतिनिधि
सिंगहां कलां

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार वर्मा
उर्फ पप्पू
प्रधान पद प्रत्याशी
सिंगहां कलां

अमृत विचार बरेली अखबार के छठवें स्थापना दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई।

डॉ. अवनीश कुमार
उपजिलाधिकारी पलिया कलां
ज्योति वर्मा
तहसीलदार पलिया कलां
कपिल वर्मा
लेखपाल
सभी किसानों से अनुरोध है कि अपने खेतों की पराली व गन्ने की पताई को न जलाकर उसकी खाद बनाकर शुद्ध पर्यावरण बनाये रखने में सहयोग करें।
तहसील पलिया कलाँ खीरी

अमृत विचार अखबार के छठवें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

किसान सहकारी चीनी मिल लि.
संपूर्णानगर, खीरी

चीनी मिल का नवीन पेराई सत्र 2025-26 का शुभारम्भ हो चुका है। समस्त चीनी मिल परिक्षेत्र के गन्ना कृषकगण एवं जनप्रतिनिधियों से अपील है कि चीनी मिल के विकास हेतु चीनी मिल को साफ-सुथरा ताजा व जड़ पत्ती अगौला रहित ही गन्ना आपूर्ति करें। समिति पर्ची प्राप्त होने के बाद ही गन्ना कटवायें। चीनी मिल का चीनी परता बढ़ाने हेतु उन्नतशील प्रजातियों का चयन करके गन्ना बुवाई करायें, जिससे किसान भाईयों को गन्ने की अधिक उपज का लाभ मिलेगा व चीनी मिल का चीनी परता भी बढ़ेगा।

उदयभान सिंह
मुख्य गन्ना अधिकारी
किसान सहकारी चीनी मिल
सम्पूर्णानगर खीरी

रमेश कुमार
पी.सी.एस. प्रधान प्रबन्धक
किसान सहकारी चीनी मिल
सम्पूर्णानगर खीरी

इन्द्रदीप सिंह
उपाध्यक्ष
किसान सहकारी चीनी मिल
सम्पूर्णानगर खीरी

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

CHANDRANI HOSPITAL
हमें परवाह है, आपकी सेहत की...
चन्दरानी हॉस्पिटल
ब्लड बैंक एण्ड कम्पोनेन्ट सेन्टर
ऐरा रोड, सलेमपुर कोन, लखीमपुर-खीरी 91400 64627, 91611 74924

डा0 धीरेन्द्र कुमार वर्मा
बी.ए.एम.एस. (वी.बी.यू.)
फिजीशियन एण्ड सर्जन
एक्स रेजीडेन्ट डाक्टर
अजन्ता हास्पिटल, लखनऊ

डा0 आशुतोष वर्मा
M.B.B.S. M.S. (Ortho.)
F.A.S.M., C.C.R.D., K.G.M.U., LKO.
Asst. Professor
Medical College, Lakhimpur (Kheri)
ट्रामा, स्पाइन एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 अनुपम जायसवाल
एम.डी. (मेडिसिन), डी.एम. (न्यूरोलॉजी)
के.जी.एम.यू. लखनऊ
फेलोशिप इन डायबिटीज, सी.एम.सी.

डा0 विक्रम सिंह
एम.बी.बी.एस. (के.जी.एम.यू.), एम.एस. (सर्जरी)
एम.सी.एच. यूरोलॉजी (एम्स) गोल्ड मेडलिस्ट
कन्सल्टेन्ट यूरो सर्जन एण्ड एण्ड्रोलॉजिस्ट
Robotic Surgery Trained Mount Sinai, NYC, USA

डा0 रामजी वर्मा
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (जनरल सर्जरी)
FIAGES
Asst. Professor
Medical College, Lakhimpur (Kheri)
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
प्रतिदिन दोपहर 2 से सायं 6 बजे तक

डा. हर्ष सक्सेना
MD (Pulmonologist)

डा0 प्रदीप कुमार गुप्ता
बी.ए.एम.एस.
वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक

डा0 नेहा वर्मा
बी.एस.सी., बी.ए.एम.एस. (जे.जी.को.)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
सोमवार से शनिवार
प्रात: 10 से 4 बजे तक

डा0 विमल वर्मा
M.B.B.S., DNB, DCH (Pediatrics)
MIAP, NNF
पूर्व पीडियाट्रिक कन्सल्टेन्ट, यशोदा सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, गाजियाबाद
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ

डा0 विष्णु शंकर शुक्ला
एम.डी. (मेडिसिन)
डी.एम. (नेफ्रोलॉजी)
गुर्दा रोग विशेषज्ञ

डा0 अनन्य गुप्ता
गोल्ड मेडलिस्टए एम.डी. (मेडिसिन)
डी.एम. (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) एम्स, नई दिल्ली
वरिष्ठ पेट एवं लिवर रोग विशेषज्ञ

डा0 अभिजीत सिंह
M.S. (PGI), M.Ch. (AIIMS)
नाक-कान-गला रोग तथा कैंसर रोग विशेषज्ञ
पूर्व कैंसर सर्जन टाटा हॉस्पिटल एवं राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल, लखनऊ

डा0 उपेन्द्र वर्मा
बी.ए.एम.एस.
फिजीशियन एण्ड सर्जन

सुविधाएं :
जनरल ओ.पी.डी., न्यूरो चिकित्सा, यूरो चिकित्सा/मूत्र रोग, हृदय रोग, पेट रोग, अस्थमा, कैंसर रोग, चिकित्सा, नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी, एन.आई.सी.यू., नवजात शिशु एवं बाल रोग चिकित्सा, ऑपरेशन एवं भर्ती की सुविधा, एम्बुलेन्स सुविधा आदि। C-Arm (टी.वी. स्क्रीन) पर देखते हुए हड्डी बिठाने व ऑपरेशन की सुविधा, गुर्दे एवं पेशाब की नली व थैली की पथरी का दूरबीन विधि से सफल ऑपरेशन।

रमेश चन्द्र वर्मा, एड
प्रबन्धक : चन्दरानी हॉस्पिटल
पूर्व अध्यक्ष :
जिला अधिवक्ता संघ, लखीमपुर-खीरी

NICU व वेंटिलेटर की इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24 घण्टे डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध

आयुष्मान कार्ड द्वारा इलाज एवं ब्लड बैंक की सुविधा उपलब्ध

न्यूज ब्रीफ

नशे में मंदिर में लगी टाइल्स तोड़ी, रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : गांव बेहटी में शिव मंदिर में देवी-देवताओं के चित्र वाली टाइल्स को एक व्यक्ति ने नशे में तोड़ दिया। प्रधान नितिन पटेल ने बताया गांव का गुड्डू आए दिन नशे में हंगामा करता रहता है। उसी पर मंदिर में लगी टाइल्स तोड़ने का आरोप लगाया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ग्राम पंचायत सदस्य ने डीएम को सौंपा पत्र

बिलसंडा, अमृत विचार : करेली के ग्राम पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार शर्मा ने डीएम समेत अन्य अधिकारियों को पत्र दिया है। जिसमें बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में कुल तेरह सदस्य हैं। जिसमें 29 नवंबर को होने वाली बैठक में पंचायत राज अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत सदस्यों को प्रतिभाग कराने की बात कही। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से बैठक के दौरान ग्राम पंचायत करेली में पुलिस तैनाती कराने का आग्रह किया है।

चिकित्सक के निधन पर जताया शोक

बिलसंडा, अमृत विचार : वरिष्ठ डॉ. श्रीनिवास शर्मा (75) का सोमवार सुबह हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन पर डॉ. राजीव सक्सेना, डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता, डॉ. अवधेश शर्मा, डॉ. सुभाष जायसवाल, नगर पंचायत चेयरमैन डीके गुप्ता, अधिवक्ता आशीष सक्सेना, राजकुमार शर्मा, विकेश जायसवाल, प्रियंक तिवारी, विकास शर्मा, बंटू जायसवाल, अवनीश जायसवाल, अशोक शुक्ला, योगेश शर्मा एडवोकेट, रमेश चंद्र शर्मा आदि ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

गरीब कन्या की शादी में की मदद

पीलीभीत, अमृत विचार : गौर धाम परिवार की ओर से एक गरीब परिवार की बिटिया की शादी में मदद की गई। दीपू अग्रवाल ने बताया बिटिया के पिता का निधन हो चुका है। उसकी शादी में गौर धाम परिवार की ओर से डबल बैड, ड्रेसिंग टेबल, अलमारी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, गद्दे, तकिया आदि सामान उपहार स्वरूप दिया। शादी में शामिल होकर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर गोविंद अग्रवाल, पदम अग्रवाल, अजीत, राघव अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, शिवम अग्रवाल, आनंद गुप्ता, निखिल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

आशा-आंगनबाड़ी समेत एक लाख श्रमिक ले चुके आयुष्मान का लाभ

शासन के आदेश पर चल रही प्रक्रिया, पंजीकरण के आधार पर बन रहे श्रमिकों के कार्ड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : प्रधानमंत्री की आयुष्मान योजना से स्वास्थ्य विभाग की जनगणना सूची के बाद अब आशा, आंगनबाड़ी और श्रम विभाग से जुड़े श्रमिकों को भी मुफ्त इलाज का लाभ देने की प्रक्रिया चल रही है। अंत्योदय कार्ड वाले लोगों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। निर्देश मिलने के बाद कार्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। श्रमिकों का पंजीकरण के आधार पर कार्ड बनाए जा रहे हैं। इनके आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता के आयुष्मान कार्ड बन गए हैं। जबकि आंगनबाड़ी वर्कर्स के कार्ड बनाने की कवायद चल रही है। श्रम विभाग से जुड़े उन मजदूरों को शामिल किया गया है जो 2020-21 से पहले से पंजीकृत हैं।

आंकड़ों की बात करें तो जनपद में आयुष्मान योजना के 213123 पात्र परिवार हैं। जिनमें कुल 998041 लाभार्थी शामिल हैं। इनमें अभी तक करीब आठ लाख लाभार्थियों के कार्ड जारी हो चुके हैं। योजना शुरू होने के बाद जनपद में 29 सरकारी अस्पतालों के साथ करीब 20 से अधिक प्राइवेट अस्पतालों को जोड़ा गया है, जहां मरीजों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है। यह योजना वर्ष 2018 में शुरू हुई थी। इसके बाद कैंप लगाकर कार्ड बनाए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों के लिए इलाज की सुविधा करने के मकसद से केंद्र सरकार ने इस योजना को चलाया था। करीब छह माह पूर्व 70 साल और उससे ज्यादा उम्र वाले बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाने की योजना आई थी। इसके बाद शासन के निर्देश पर वर्ष 2024 में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाने की शुरुआत की गई। अब आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी और श्रम विभाग से जुड़े लोगों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के साथ बनाए जा रहे हैं। योजना शुरु होने के बाद श्रम विभाग के रिकॉर्ड अनुसार 39503 परिवार शामिल हैं। इनमें 169282 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। शेष की प्रक्रिया अभी चल रही है। करीब चार लाख से अधिक श्रम विभाग के श्रमिकों के कार्ड बनेंगे। इसके अलावा चार हजार के आसपास आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं, तो वहीं जिले में आशाओं की संख्या करीब 1500 से अधिक है। इनमे भी अधिकतर कार्ड बनवा रहे हैं। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग भी जुटा है। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए टोल-फ्री नंबर 14555 पर कॉल करके जानकारी हासिल की जा सकती है। यहां पर आपको पात्रता संबंधी जानकारी दी जाएगी। पात्रता संबंधी जानकारी मिलने के बाद दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड, निवास प्रमाणपत्र, राशन कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर होना जरूरी है। इसके बाद पास के किसी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), प्रज्ञा केंद्र या किसी कंप्यूटर सेंटर से आवेदन जमा कराया जा सकता है। अपने मोबाइल नंबर से भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

आयुष्मान भारत के तहत मिलेंगी ये सुविधाएं

जिनके पास आयुष्मान कार्ड होगा। वह मेडिकल जांच कराने के साथ फ्री में इलाज और डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। अगर किसी विशेष परिस्थिति में अस्पताल में भर्ती होना पड़े, तो उन्हें पैसा नहीं देना पड़ेगा। दवा और चिकित्सा में काम आने वाली चीजें फ्री में मिलेंगी। लेबोरेटरी की जांच फ्री होगी। अगर इलाज के दौरान ठहरने में दिक्कत हो रही हो, तो आवास की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी।

> शासन की ओर से संचालित आयुष्मान योजना से अब आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को जोड़ा गया है। साथ ही श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के भी कार्ड बनाए जा रहे हैं। सभी को योजना का लाभ दिलाया जाएगा।
> - डॉ. एस के सिंह, कार्यवाहक सीएमओ

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दबोचे तीन गोतस्कर

खुटार, अमृत विचार : खुटार पूरनपुर रोड पर बुझिया भरकलीगंज के जंगल में रविवार देर रात गोवंशीय पशु के वध की फिराक में बैठे तीन बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गए। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी है। जबकि तीसरे बदमाश को पुलिस पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल बदमाशों को खुटार सीएचसी पर भर्ती कराया है जहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी खुटार राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ बुझिया भरकलीगंज रोड पर गश्त कर रहे थे। तभी पता चला कि तीन बदमाश गोवंशीय पशुओं का वध करने की फिराक में बैठे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम की ओर से की गई जबावी कार्रवाई में पीलीभीत जिले के थाना पूरनपुर के गांव शेरपुर कलां हाल पता ढका निवासी भूरे के दाहिने पैर में और शेरपुर कलां हाल पता पूरनपुर मोहल्ला रजागंज निवासी जफर खां के बाएं पैर में गोली लगी है। वहीं पूरनपुर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी जावेद उर्फ करिया को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, जिंदा कारतूस, गड़ासा, चाकू, रस्सी, लकड़ी का गुटका बरामद किया है।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

मेडल और ट्रॉफी दिखाते विजेता। • अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से कस्बा स्थित जूनियर हाईस्कूल के मैदान में संपन्न हुई दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में एचआरपी डिग्री कॉलेज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस पर स्कूल प्रबंधन ने छात्र- छात्राओं की हौसला अफजाई की।

वंश श्रीवास्तव, प्रियांश, साहिर अली, दीपक, विनय और पुष्पेंद्र ने जितेंद्र की कप्तानी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कबड्डी में जीत दर्ज की। ऊंची कूद व लंबी कूद में प्रथम स्थान मजहर हुसैन का रहा। दीपक ने लंबी कूद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुश्ती में प्रथम स्थान अंजलि गंगवार, सिमरन सागर जूडो में प्रथम, साहिर अली गोला फेंक में प्रथम, 100 मीटर की दौड़ में तृतीय स्थान और चक्का फेंक में द्वितीय स्थान पर रहे। बैडमिंटन में प्रथम स्थान पर वंश श्रीवास्तव रहे। 100 मीटर दौड़ में दीपक प्रथम, लंबी कूद में द्वितीय स्थान पर रहे। पुष्पेंद्र ने 1500 मीटर की दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर की दौड़ में विनय तृतीय रहे। क्रीड़ाधिकारी डॉ.मोहम्मद इलयास के नेतृत्व में महाविद्यालय की टीम ने प्रतिभाग किया था। प्राचार्य डॉ.वंदना शर्मा ने सभी विजेताओं की सराहना की। प्रबंध निदेशक मुकेश कुमार गुप्ता, डॉ. अनूप बेरी, आशीष गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया।

कंपोजिट विद्यालय खासपुर में लगा करियर गाइडेंस मेला

पीलीभीत, अमृत विचार: पूरनपुर ब्लॉक के पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय खासपुर में करियर गाइडेंस एंड काउंसलिंग फॉर गर्ल्स कार्यक्रम के अंतर्गत करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया।

मेले में आए अतिथियों ने छात्रों का करियर बेहतर कैसे बने, सरकारी नौकरी में कैसे तैयारी की जाए, इसके साथ ही रोजगारपरक जानकारियां दी। स्कूली बच्चों ने रोचक मॉडल भी तैयार किए। स्कूली बच्चों की कलाकारी देखकर सभी ने उनकी जमकर सराहना भी की। करियर मेले में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय जमुनिया की डॉ. सुनीता सैनी, एसबीआई शाखा जमुनिया प्रबंधक शिवशंकर सिंह, पुलिस चौकी जमुनिया इंचार्ज चंद्रपाल, गौरव पवार ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। प्रधानाध्यापक श्रीकृष्ण, अनुदेशक विनोद कुमार, शिक्षामित्र मिथिलेश आदि मौजूद रहे।

एसआईआर फॉर्म भरने के लिए किया जागरूक

पीलीभीत, अमृत विचार : सपा मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा नेता लोगों को एसआईआर के फार्म भरवाने में मदद कर रहे हैं।

सोमवार को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सतेंद्र मौर्य, जिला महासचिव राहुल कश्यप, महेश कश्यप, असलम, मोहम्मद यासीन, मोहम्मद नासिर भिकारीपुर पहुंचे। एसआईआर फ़ार्म भरने के लिए लोगों को जागरुक किया। साथ ही लोगों को फार्म भरने में आ रही दुविधाओं को दूर करने के लिए भी जानकारी दी।

जवानों ने निकाली जागरुकता रैली

संवाददाता, पीलीभीत

जागरूकता रैली में शामिल एसएसबी जवान। • अमृत विचार

अमृत विचार: एसएसबी के कार्यवाहक डीआईजी/कमांडेंट राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सोमवार को सार्वजनिक संपत्ति हमारी जिम्मेदारी विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई।

इसका उद्देश्य स्थानीय नागरिकों में सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण, यातायात नियमों के पालन, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। रैली छतरी चौराहा तक गई। एसएसबी जवानों ने उत्साह के साथ भाग किया। स्वच्छ और सुरक्षित समाज के निर्माण में जनसहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल स्थानीय नागरिकों के लिए प्रेरणादायक रही, बल्कि इससे सामुदायिक उत्तरदायित्व और जागरूक नागरिकता का संदेश भी प्रसारित हुआ है।

अस्पताल से बाइक चोरी

पीलीभीत, अमृत विचार : बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम जसौली दिवाली निवासी अमित कुमार ने बताया 19 नवंबर को जिला अस्पताल के सामने बाइक खड़ी की थी। दोपहर 12 बजे काम निपटाकर आए तो बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मिशन शक्ति के तहत कराई स्पर्धा संजना अव्वल

पीलीभीत, अमृत विचार: रामलुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. फजलुर रहमान के मार्गदर्शन में सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत पुष्प प्रदर्शनी और साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 50 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार रहे। उन्होंने छात्राओं को साइबर सुरक्षा, डिजिटल सतर्कता और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के बारे में बताया। उन्होंने आगामी जिला युवा महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं एवं पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में भी बताया। उद्यान विभाग से आए मार्कंडेय सिंह, हरपाल सिंह ने पुष्प विविधता, उद्यानिकी का महत्व, पौधों की देखभाल के बारे में जानकारी दी। वहीं प्रांतीय रक्षक दल से महेंद्र सिंह ने सुरक्षा जागरूकता, सतर्कता और सुरक्षित व्यवहार के बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया। एक प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें संजना प्रथम, प्रियांशी द्वितीय और पिंकी तृतीय रही। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बरखा ने भी विचार रखे। इस दौरान छात्राओं को पौधे भी बांटे गए।

पशुओं की जांच कर बांटी दवा

मझोला, अमृत विचार : तहसील अमरिया क्षेत्र के ग्राम भरा पचपेड़ा में दो दिन पूर्व दुधारू पशुओं की मौत हुई थी। जिसके बाद गलाघोंटू बीमारी की चपेट में आकर मरने का शोर मच गया था। इसे लेकर सोमवार को पशु चिकित्सा अधिकारी धनपाल गंगवार की अगुवाई में टीम भरा पचपेड़ा पहुंची और अन्य पशुओं की जांच की। टीकाकरण कराने के साथ ही निःशुल्क दवा वितरित की गई। यह भी बताया गया कि हर महीने गांव में निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगाया जाएगा। टीम में पशुधन अधिकारी शिवकुमार, पशु मित्र धर्मवीर, विष्णु मोहनलाल आदि थे।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला खाद्य विपणन अधिकारी शाहजहांपुर
जिला खाद्य एवं विपणन विभाग की ओर से किसान भाइयों से अपील
●सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचें फसल, एसएसपी का लें लाभ
●निजी आढ़तों की जगह सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचें और मिनिमम सपोर्ट प्राइस प्राप्त करें।
●किसान भाई धान अच्छी तरह सुखाकर ही क्रय केंद्रों पर लाएं। क्योंकि 17: से ज्यादा नमी होने पर धान सरकारी खरीद केंद्र पर नहीं खरीदा जा सकता।
●फसल का पैसा किसानो के खाते में सीधे डीबीटी के जरिए भेजा जाता है।
●सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचकर खाद्य एवं विपणन विभाग और जिला प्रशासन का सहयोग करें। धन्यवाद
राकेश मोहन पांडेय
जिला खाद्य विपणन अधिकारी, शाहजहांपुर

अमृत विचार Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. ताज व पुत्रवधु नेहा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। नूर जहाँ पत्नी अकील अहमद निवासी मोहल्ला हजियापुर चाँद साबरी कब्बाल गली थाना बारादरी जिला बरेली।

सूचना
मैंने एक प्लाट ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी से क्रय किया था। प्लाट नं. 41 ब्लॉक-ए, सेक्टर- पी4 और एलॉटमेंट नं. UPG0158137 है। उक्त प्लाट का लीज़ डीड क्र0- 12846/07 है। उक्त प्लाट के लीज़ डीड के मूल अभिलेख मुझसे कहीं खो गये हैं। जिसमें एलॉटमेंट पत्र भी खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। दिनेश चन्द्र पुत्र श्री सुरेश चन्द्र वर्मा निवासी बी-5, जगदीश विहार, राजेन्द्र नगर, जिला बरेली

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री विनीता देवी पत्नी श्रीपाल एक आवासीय भवन क्रय कर रही है, जो मौज़ा नवादा जोगियाँ, तहसील एवं जनपद बरेली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 63.54 वर्ग मीटर है। उक्त संपत्ति की खरीद हेतु ऋण गृह ऋण लिमिटेड से लिया जा रहा है। इस संबंध में एक विक्रय विलेख श्री सोहन पाल पुत्र श्री खमानी लाल द्वारा श्री रंजीत सिंह राठौर पुत्र श्री वीरेंद्र स्वरूप के पक्ष में निष्पादित की गई थी, जो कि उप पंजीयक, सदर द्वितीय बरेली के दिनांक 21.11.2024 वही संख्या 1 जिल्द संख्या 15960 पेज संख्या 335 से 350 क्रमांक 18469 में रजिस्ट्री हुई। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उपर्युक्त संपत्ति, विलेख या स्वामित्व से संबंधित कोई आपत्ति, दावा या अधिकार हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में अवगत कराएं। नियत अवधि के बाद आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।
Sonu Singh Yadav, Advocate, Sewa Grih Rin Ltd., Contact No. 9324585156

D.EL.ED (BTC) सीधे प्रवेश
राफ़िआह कॉलेज ऑफ एजुकेशन
पताः- निकट डाक बंगला बिसौली रोड, सहसवान (बदायूं)
शासनादेश सं0 1169/ अरसठ- 4- 2025-2067/2013 बेसिक शिक्षा अनुभाग- 4 - दिनांक 12 नवम्बर 2025 प्रवेश की कार्यवाही हेतु शासनादेश संख्या-828 अरसठ- 4- 2025- 2067 2025 बेसिक शिक्षा अनुभाग-4 D.EL.ED पूर्व (BTC) प्रशिक्षण सत्र- 2025-27, में सीधे प्रवेश हेतु अल्पसंख्यक अभ्यार्थी संस्थान की वेबसाइट www.rcegroup.org पर आवेदन आमंत्रित है।
सम्पर्क सूत्र- 9999736330, 8859563997, 9999098111

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

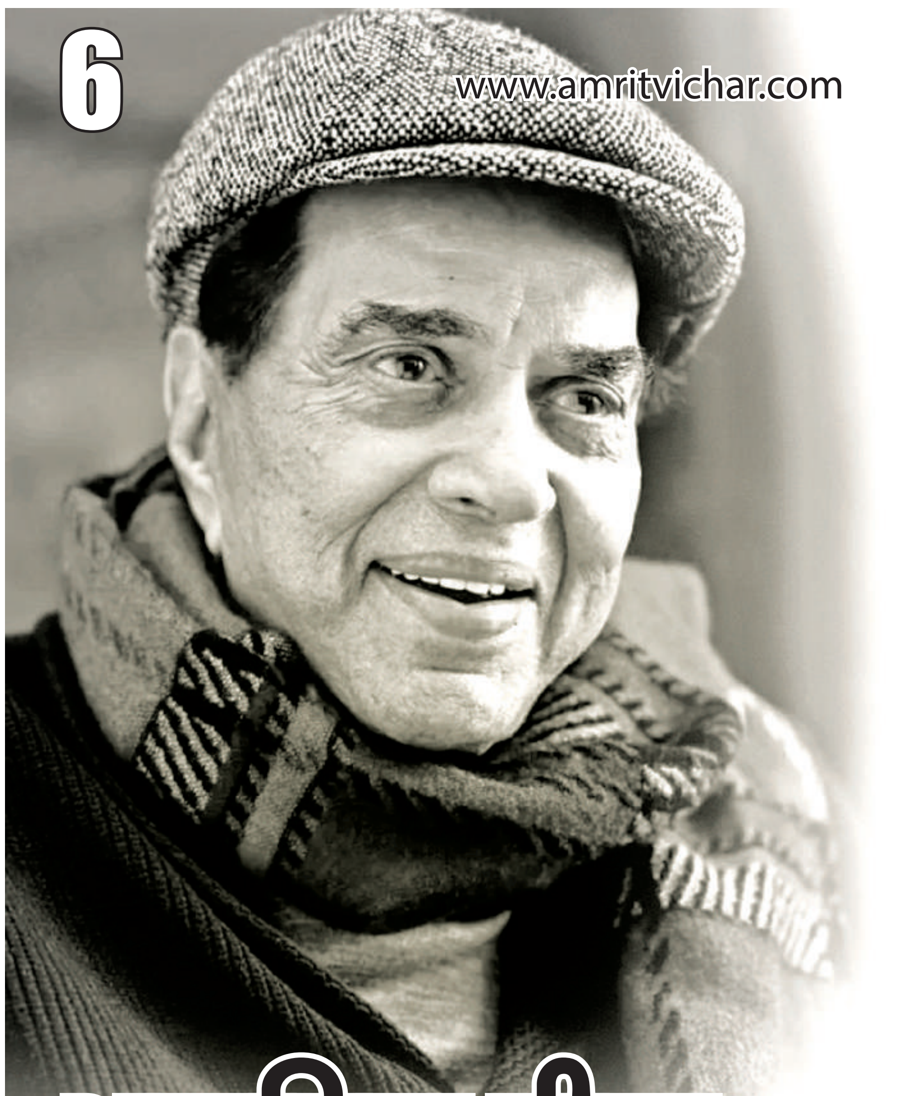

अलविदा वीरू...

जन्म: 8 दिसबंर 1935 ■ निधन: 24 नवंबर 2025

तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ न छोड़ेंगे...

विशेष डेस्क

अमृत विचार। मुंबई के फिल्म स्टूडियो की चमकती रोशनियों ने कई चेहरों को स्टारडम दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ सितारा नहीं बने, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलो-दिमाग में गहरे उतर गए। धर्मेंद्र एक ऐसे ही अलबेले अभिनेता थे। ही-मैन के नाम से मशहूर बॉलीवुड के इस सुपर स्टार की मुस्कान में अगर गांव की मिट्टी की महक थी, तो चाल में पंजाब के किसी फौजी जैसी चौकसी और आंखों में एक ऐसा अपनापन कि दर्शक उनके किरदार में खुद को परदे पर खोजने लगते थे। संवाद अदायगी का उनका अपना अंदाज, अभिनय में सादगी के साथ मर्दानगी की मिसाल ने लोगों को धर्मेंद्र का दीवाना बना दिया था।

बॉलीवुड के बीते छह दशक से ज्यादा के सफर में पांच दशक तक 300 से ज्यादा फिल्मों वाले शानदार करियर की बदौलत किसी बादशाह की तरह लोगों के दिलों पर राज करने वाले दिलदार स्वभाव और बेजोड़ शख्सियत वाले धर्मेंद्र ने अभी 8 नवंबर को ही अपना 89वां जन्मदिन मनाया था। इसके दो दिन बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन फिल्म शोले में बसंती के लिए पानी की टंकी पर चढ़कर जान देने की जानदार एक्टिंग करने वाले धर्मेंद्र जिस तरह फिल्म में मरना कैसिंल करके टंकी से नीचे उतर आए थे, उसी तरह मौत को मात देकर घर आ गए थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जिसने हिंदी सिनेमा के इस लेजेंड को 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कहने के लिए मजबूर कर दिया।

मनोज कुमार न रोकते तो पंजाबी जट्ट धर्मेंद्र नहीं बन पाते

धर्मेंद्र के फिल्मी हीरो बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। बात साल 1960 की है। पंजाब के एक छोटे से गांव का एक सीधा-सादा लड़का स्क्रीन पर दिलीप कुमार को देखकर हीरो बनने का सपना पाल बैठा था। लेकिन एक स्कूल मास्टर के बेटे के लिए ये सपना पूरा करना आसान नहीं था, यह जानते हुए भी इस पंजाबी जट्ट ने अटैची उठाई और पहुंच गया मायानगरी मुंबई। यह वह दौर था जब फिल्म इंडस्ट्री में "हीरो" की परिभाषा सिर्फ खूबसूरत चेहरे और नपे-तुले एक्शन तक सीमित थी। लेकिन धर्मेंद्र ने जल्दी ही इसे बदल दिया। उन्होंने हीरो को इंसान बनाया, और इंसान को हीरो की ऊंचाई दी। लेकिन इससे पहले उन्हें मुंबई में खासा संघर्ष करना पड़ा। उस समय फिल्म स्टूडियो के बाहर काम मिलने के इंतजार में लाइन लगानी पड़ती थी। कई बार सड़क पर सोने की नौबत आ जाती थी। ऐसे में थक-हारकर धर्मेंद्र ने एक दिन ट्रेन पकड़कर वापस पंजाब जाने का फैसला ले लिया। लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। पंजाब से ही अभिनेता बनने आए मनोज कुमार से मुलाकात हो गई। उन्होंने वापस जाने से रोक लिया और हौसला बढ़ाया तो धर्मेंद्र ने कुछ दिन और रुकने का फैसला किया। इसके बाद निर्देशक बिमल रॉय ने सबसे पहले धर्मेंद्र को स्पॉट किया। फिर तो एक दिन जिस अभिनेता देव आनंद को धर्मेंद्र पर्दे पर देखते थे, उन्होंने उन्हें अपने मेकअप रूम में बुलाया और आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

- **बिमल रॉय की बंदिनी से मिला ऐसा ब्रेक फिर रुका नहीं सफर** अर्जुन हिंगोरानी ने अपनी फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' से धर्मेंद्र को ब्रेक दिया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बस आई-गई जैसी हो गई। हालांकि उनकी दूसरी फिल्म 'शोला और शबनम' कामयाबी की कहानी लेकर आई। इसके बाद उनकी कुछ और फिल्में भी चलीं, लेकिन बड़ा कमाल हुआ उन्हीं बिमल रॉय की फिल्म से, जिन्होंने धर्मेंद्र को अपनी अभिनेता प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में स्पॉट किया था। अपने जमाने के आइकॉनिक फिल्ममेकर बिमल ने धर्मेंद्र को 'बंदिनी' (1963) में कास्ट किया। अशोक कुमार और नूतन के लीड वाली इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला और लोगों ने धर्मेंद्र के काम को भी जमकर सराहा।
- **आई मिलन की बेला, हकीकत, काजल फूल और पत्थर से दिलों में बनाई जगह:** 'आई मिलन की बेला' (1964) के लिए धर्मेंद्र को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। उसी साल आई देश की चीन के साथ युद्ध पर बनी पहली फिल्म 'हकीकत' से बड़ी पहचान मिली। 1965 में मल्टीस्टारर 'काजल' हिट होने का धर्मेंद्र को बड़ा फायदा मिला। 'फूल और पत्थर' (1966) में उन्हें लीड रोल मिला और फिल्म खूब चली। इसी साल उनकी 'देवर', 'ममता', 'आए दिन बहार के' और 'अनुपमा' भी बाक्स आफिस पर हिट साबित हुईं। 70 का दशक शुरू होने तक धर्मेंद्र स्टार बन चुके थे। अब जैसे सुपरस्टारडम उनका इंतजार कर रहा था।
- **और 70 तथा 80 के दशक ने बना दिया सुपरस्टार:** 70-80 के दशक में धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार थे। इस दौर में उन्होंने कई हिट और यादगार फिल्में दीं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'शोले', 'धरमवीर', 'यादों की बारात', 'लोफर', जुगनू, 'यादों की बारात' और 'प्रतिज्ञा' आदि। इस समय वह इंडस्ट्री के सबसे रोमांटिक और एक्शन हीरो में से एक थे और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी थीं। इस दौर में हर निर्देशक और अभिनेत्री उनके साथ काम करना चाहती थीं।

कुछ यादगार फिल्में

- फूल और पत्थर (1966): जिसने उन्हें स्टार बना दिया
- सत्यकाम (1969) को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में गिना जाता है
- शोले (1975): भारतीय सिनेमा का यादगार स्तंभ
- चुपके-चुपके (1975): हिंदी कॉमेडी का स्वर्ण अध्याय
- धर्मवीर, काला सोना, सीता और गीता, यकीन, रजिया सुल्तान

1987 में सात हिट फिल्में

- साल 1987 धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल उनकी सात फिल्में हिट हुईं। इसके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों ने धर्मेंद्र को एक नई पहचान दी थी। ये 7 फिल्में थीं, 'इंसानियत के दुश्मन', 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी', इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

भाजपा से खुद और पुत्र सांसद रहे, हेमा मालिनी तीसरी बार चुनी गईं

- हेमा मालिनी ने 2004 में भाजपा की सदस्यता ली तो कुछ दिनों बाद धर्मेंद्र भी भाजपा में आ गए। पार्टी ने उन्हें बीकानेर से टिकट दिया। धर्मेंद्र ने 15वीं लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। संसद में वो दिखते कम थे, इस बात की आलोचना हुई। आखिरकार, 2009 में उन्होंने पॉलिटिक्स छोड़ दी। बाद में धर्मेंद्र ने कहा कि उन्हें पॉलिटिक्स की ए-बी-सी-डी भी नहीं आती है। राजनीति की भाषा, उसके तौर-तरीके और उसके लोग उन्हें रास नहीं आए। उन्हें 2012 में भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनके पुत्र सनी देओल भी सांसद रह चुके हैं, उन्होंने 2019 से 2024 तक भाजपा सदस्य के रूप में पंजाब के गुरदासपुर का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि धर्मेंद्र की पत्नी उत्तरप्रदेश के मथुरा से भाजपा सासंद के रूप में तीसरी बार पिछले साल चुनी गई थीं।

"शोले" का वीरू जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है

- धर्मेंद्र ने परदे पर सिर्फ किरदार नहीं निभाए, उन्होंने भारतीय दर्शक के दिल के भीतर अपना घर बनाया। उनकी फिल्मों में मजबूती है, पर उनकी आंखों में नरमी। उनके संवाद दमदार हैं, पर व्यवहार में, यही कारण है कि धर्मेंद्र सिर्फ हिंदी सिनेमा के अभिनेता नहीं, एक ऐसा युग हैं, जिसे कोई बदल नहीं सकता। "अनुपमा" में उनकी संवेदनशीलता, "सत्यकाम" में नैतिकता की आग, "चुपके-चुपके" में मासूम कॉमेडी और "शोले" का वीरू—जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है, भला कौन भूल सकता है। हेमा मालिनी के साथ तो उनकी केमिस्ट्री इतनी स्वाभाविक थी कि परदे पर आते ही जैसे कहानी खुद-ब-खुद खिल उठती थी।

प्रकाश कौर से हुई थी पहली शादी, जिनसे दो बेटे और दो बेटियां

- धर्मेंद्र की पहली शादी 1954 में 19 साल की उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे हुए, सनी देओल और बॉबी देओल। इनके साथ ही दो बेटियां विजेता और अजिता भी हैं। अभिनेता अभय देओल उनके भतीजे हैं। 1880 में धर्मेंद्र ने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा देओल और आहाना देओल हैं।

धरम पाजी के साथ एक युग का जाना

- धर्मेंद्र की फिल्मों को देखकर हमने सीखा कि हीरो होना सिर्फ लड़ने की कला नहीं, बल्कि इंसान की अच्छाई की जीत है। धर्मेंद्र वह सितारा हैं जिनकी चमक सिर्फ परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की यादों, कहानियों और मोहब्बतों में रच-बस चुकी है। इसलिए धर्मेंद्र जैसे सितारे कभी खत्म नहीं होते, वे हर पीढ़ी के दिलों में दोबारा जन्म लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

26 को होगा सेपक टाकरा चैंपियनशिप को ट्रायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: छोटी काशी स्पोर्ट्स सेपक टाकरा एसोसिएशन के महासचिव पूर्व आईटीबीपी तानसिंह ने बताया कि 29वीं जूनियर नेशनल सेपक टाकरा चैंपियनशिप चैन ट्रायल जूनियर खिलाड़ियों का 26 नवंबर को बरेली के स्वर्गीय डोरीलाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। जिले के सभी खिलाड़ी 26 नवंबर बुधवार को अपना दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र लेकर प्रात: 10 बजे स्टेडियम में उपस्थित हों। पहली से पांच जनवरी तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी अमृतसर पंजाब में होने वाले 29वीं जूनियर चैंपियनशिप के लिए यह ट्रायल कर उत्तर प्रदेश की टीम का गठन किया जाएगा।

25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार: एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार मोहल्ला कृष्णानगर निवासी सतनाम उर्फ मन्ने सिंह को गिरफ्तार किया है। एसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। उन्होंने बताया कि आरोपी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व नेपाली नागरिकों के साथ लूट की घटना में भी शामिल था। गिरफ्तार आरोपी का पुलिस ने चालान भेजा है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, एक रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया। हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव सुजानपुर निवासी अमन कुमार (16) पुत्र रमेश कुमार और नंगापुर निवासी नितिन कुमार (18) पुत्र विनोद कुमार सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद अमन की हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हादसे में पत्नी की मौत, पति घायल

खुटार रोड पर मुरादपुर और छत्तीपुर गांव के बीच कार ने सामने मारी बाइक में टक्कर

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सोमवार देर शाम मुरादपुर और छत्तीपुर गांव के बीच कार और बाइक की आमने सामने हुई जबरदस्त टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया, जबकि पीछे बैठी उनकी पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दोनों लोगों को एंबुलेंस से सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत् घोषित कर दिया, जबकि गंभीर घायल बाइक चालक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

खुटार रोड पर मैलानी थाना क्षेत्र के गांव बोझिया निवासी महेश वर्मा (45) अपनी पत्नी मंजू देवी (40) के साथ बाइक से गोला में एक शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे। सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल महेश वर्मा के भाई नीरज कुमार ने बताया कि उनके भाई अपनी पत्नी के साथ बाइक से गोला जा रहे थे।

गोला सीएचसी में रोते बिलखते परिवार वाले। ● अमृत विचार

सीएचसी में घायल महेश को एंबुलेंस में लादते कर्मचारी।

● **गोला में शादी समारोह में शामिल होने को आ रहा था दंपती**

खुटार रोड पर छत्तीपुर और मुरादपुर गांव के बीच सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए और कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर होते ही कार चालक मौके से भाग गया। कार की टक्कर से महेश वर्मा और उनकी पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए, जिससे घटना स्थल पर ही मंजू देवी की मौत हो गई।

घटना की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. देवराज में महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर घायल महेश को प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मंजू देवी अपने पीछे दो बेटे प्रशांत (23) और अंशुल (21) को रोता बिलखता छोड़ गई है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव सीलकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवा दिया।

एसआईआर फॉर्म नहीं भरा तो देश में नहीं रहेगी अपनी पहचान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी की बैठक में एसआईआर फॉर्म सही से भरवाए जाने को लेकर कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को चेताते हुए कहा कि फार्म न भरने पर उनकी देश में पहचान नहीं रहेगी।

मोहम्मदी रोड पर पूर्व विधायक विनय तिवारी के आवास पर एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर हुई बैठक में कार्यकर्ताओं को सही से और पूरी प्रविष्टियां पढ़कर भरने को कहा। पूर्व विधायक ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए कार्यकर्ता जुट जाएं। एसआईआर फॉर्म भरे जाने की अंतिम तिथि निकट है, इसलिए कार्यकर्ता एसआईआर फॉर्म पूरी प्रविष्टियां पढ़कर सही से भरे और अन्य लोगों से भी भरने को प्रेरित करें। यह फॉर्म भरा जाना अति महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता केवल बीएलओ के सहारे न रहे, फॉर्म भरना और भरवाना अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझे और हर कीमत पर फॉर्म भरे।

गोला में सपा की बैठक में बोलते पूर्व विधायक विनय तिवारी। ● अमृत विचार

● **समाजवादी पार्टी की बैठक में वक्ताओं ने चेताया**

जिलाध्यक्ष रामपाल यादव ने एसआईआर फॉर्म को समय रहते भरने की अपील की। उन्होंने कहा सभी कार्यकर्ता आम जनता का फार्म भरवाना, उनसे व्यक्तिगत जुड़ने का सबसे अच्छा माध्यम है। सांसद उत्कर्ष वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष अनुराग पटेल, विधानसभा अध्यक्ष शेर सिंह यादव ने एसआईआर फॉर्म भरे जाने को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कहा कि सभी लोग बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाएं और संगठन को मजबूत करें, आम जनमानस से जुड़े रहें। बैठक में पदाधिकारी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन विजय पाठक ने किया।

सबसे तेज बीएलओ को मिलेगी दुधवा सफारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर जिला प्रशासन सजग है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बीएलओ की रफ्तार बढ़ाने और अभियान में ऊर्जा भरने के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की है। सबसे तेज बीएलओ को दुधवा सफारी और राज्य सम्मान का मौका मिलेगा।

01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर चल रहा अभियान 04 नवंबर से 04 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस अवधि में बीएलओ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर भरे हुए प्रपत्र वापस प्राप्त करेंगे और उनका ऑनलाइन डिजिटाइजेशन भी पूरा करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्पष्ट किया है कि जो बीएलओ और सुपरवाइज़र 4 दिसंबर से पहले डिजिटाइजेशन कार्य सबसे पहले पूरा करेंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

टॉप परफॉर्मर्स के लिए खास उपहार

एसआईआर अभियान में प्रत्येक विधानसभा के सर्वश्रेष्ठ बीएलओ और सुपरवाइज़र के लिए जिला प्रशासन ने बेहद खास तोहफा तय किया है। प्रत्येक विधानसभा स्तर पर शीर्ष स्थान पाने वाले कर्मियों को दुधवा नेशनल पार्क में सपरिवार नि:शुल्क भ्रमण का सुनहरा मौका मिलेगा। जंगल की रोमांचक सफारी, प्रकृति की गोद में यादगार लम्हे और परिवार संग अनोखा अनुभव यह रिवॉर्ड पूरे अभियान का सबसे आकर्षक बोनस माना जा रहा है। इतना ही नहीं, विजेता कर्मियों को डीएम के साथ स्पेशल ब्रेकफास्ट का अवसर भी मिलेगा, जो इस सम्मान को और खास बना देता है।

● **राज्य सम्मान का भी मिलेगा मौका, डीएम ने की प्रोत्साहन की घोषणा**

जिले में पहला स्थान हासिल करने वाले बीएलओ और सुपरवाइज़र का नाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी लखनऊ को भेजा जाएगा। इन्हें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तर पर सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विधानसभा स्तर पर टॉप-3 बीएलओ व सुपरवाइज़र को एसडीएम प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार व सपरिवार लंच की सुविधा देंगे।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला बालिका का शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के एक गांव निवासी 10 साल की बालिका की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव रविवार की देर शाम शहतूत के पेड़ से लटका बरामद हुआ। परिजनों ने दुष्कर्म व हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। परिजनों का कहना था कि पहले रिपोर्ट दर्ज की जाए। इसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा जाए। हालांकि पुलिस ने किसी तरह से परिवार वालों को समझा बुझाकर शांत कराया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

● **परिजनों ने जताई दुष्कर्म व हत्या की आशंका, बजरंग दल कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे**

भारत-नेपाल सीमा से सटे एक गांव निवासी युवक की 10 साल की बेटी का शव रविवार की शाम करीब 6:00 बजे के बाद घर के बाहर लगे शहतूत के पेड़ में रस्सी से लटका मिला। शव लटके होने की खबर मिलने पर परिजन मौके पर पहुंच गए। शव देख उनमें चीख पुकार मच गई। तमाम ग्रामीणों की भीड़ भी मौके पर जुट गई। बालिका के नाना ने शाम करीब 7:00 शव दुष्कर्म व हत्या की सूचना पुलिस को दी।

● **परिवार के लोगों ने किया हंगामा, पुलिस से हुई तीखी नोकझोंक**

पुलिस शव फंदे से उतारकर कोतवाली ले आई। सोमवार की सुबह पुलिस पोस्टमार्टम के लिए शव भेजने के लिए पंचनामा भरने की तैयारी कर रही थी। इसी बीच बजरंग दल के सुनील श्रीवास्तव, राकेश निषाद और बालिका के नाना कोतवाली पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी नातिन की दुष्कर्म कर हत्या की गई है और इसकी रिपोर्ट दर्ज की जाए। इसके बाद पोस्टमार्टम किया जाए। इस पर पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट जो आएगी। उसी के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। इसी बात को लेकर परिजनों और कोतवाल पुष्पराज कुशवाहा में तीखी नोकझोंक होने लगी। करीब आधे घंटे तक हुई कड़ी बहस के बाद पुलिस ने बालिका के नाना से तहरीर लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

> पहले सूचना बालिका का पेड़ से लटकने और फांसी लगाने की दी गई। इसके बाद कुछ लोगों ने परिजनों को भड़काकर दुष्कर्म और हत्या की तहरीर दिला दी है। फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही तथ्य स्पष्ट होंगे। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> —**पुष्पराज कुशवाहा**, प्रभारी निरीक्षक तिकुनिया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँ कि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

- पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत्त वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत्त सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रेकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक ट्रू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

- डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
-श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधत्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तिव के साथ समाज का प्रतिनिधत्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी–देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु–पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओ की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

राम नगरी अयोध्या
अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश- दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभमूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद

मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।

- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर

मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग–अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।

- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात

1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा–अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।

- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण

देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों–रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।

- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा

आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा–अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा–अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा–अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।

- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा–अर्चना की अनुमति

17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा–अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।

- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान

1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत–महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।

- 1986 : परिसर का ताला खुला

कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव–गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा–अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन–पूजन की अनुमति दे दी। 7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

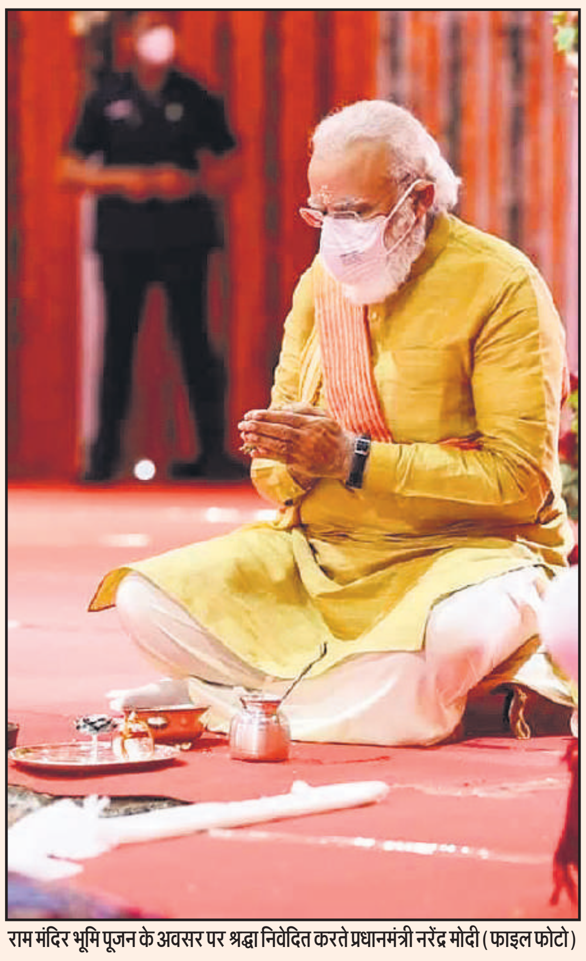

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर–बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र– गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिले में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत जिले के साथ सभी तहसीलों में एक साथ आयोजित होगी। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमार सिंह के निर्देशानुसार तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं अपर जिला जज/नोडल अधिकारी अभिषेक कुमार श्रीवास्तव एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जिला जज/सचिव वीरेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य रखा है। लोक अदालत में यातायात और लघु आपराधिक प्रकरण, नगर पालिका से जुड़े विवाद, बैंक वाद (धारा 138 परकाम्य लिखित अधिनियम), विद्युत एवं जल विवाद, विशेषकर चोरी संबंधी मामले, राजस्व वाद, पारिवारिक एवं व्यवहारिक मामले, उत्तराधिकार व अन्य समझौतापरक वाद मामलों को प्राथमिकता से सुना जाएगा।

भंडारे में शामिल होंगे खीरी के भक्त

मैगलगंज, अमृत विचार : जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में आयोजित होने वाले वार्षिक भंडारा महोत्सव में लखीमपुर खीरी से हजारों की संख्या में भक्त पहुंचेंगे। जयगुरुदेव संगत के जिला अध्यक्ष मनोहर सिंह ने बताया कि वार्षिक भंडारा मेला 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होगा। मेला अवधि के दौरान जिले के हर ब्लॉक से भक्त विशेष ट्रेनों और निजी बसों से मथुरा पहुंचेंगे। लखीमपुर खीरी की ओर से चार नि:शुल्क भोजन भंडारे चलाए जाएंगे। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज जी महाराज का मुख्य प्रवचन 30 नवंबर को सुबह 7 बजे होगा।

लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

मझगईं, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने गांव डोरा खास निवासी सुखदेव उर्फ नेता पुत्र डोरा लाल को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कोर्ट से वारंट जारी था। पुलिस उसकी काफी समय से तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा गया है।

पलिया निघासन हाईवे पर भरता नालियों का पानी, व्यापारियों में रोष

सफाई व्यवस्था ध्वस्त होने से स्कूल जाने वाले बच्चों और राहगीरों को भारी दिक्कत

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचारः पलिया ब्लॉक की सबसे बड़ी ग्राम पंचायतों में शामिल मझगईं में सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई है। कई दिनों से सफाई कर्मचारी नदारद हैं, जिसके कारण कस्बे की नालियां गंदगी से पटकर पूरी तरह चोक हो गई हैं। हाईवे पर नालियों का गंदा पानी भर रहा है। इससे लोग परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

ग्राम पंचायत मझगईं निघासन-पलिया स्टेट हाईवे पर स्थित होने के कारण कस्बा बना हुआ है। यहां काफी भीड़ भाड़ रहती है, लेकिन ग्राम पंचायत के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह ग्राम पंचायत बदहाल है। साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। नालियां गंदगी से पटी हुई हैं। उनका पानी सड़क पर बह रहा है। इससे आने-जाने वाले राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालात यह हैं कि बाजार में मेन हाईवे पर राजेंद्र गुप्ता के आवास के पास सड़क तालाब में बदल गई है।

पलिया-निघासन हाईवे पर मझगईं कस्बे में भरा दूषित पानी। ● अमृत विचार

गंदे जलभराव से राहगीरों और स्कूल जाने वाले नौनिहालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे में अभी तक सरकार या ग्राम पंचायत की ओर से नालियों का निर्माण नहीं कराया गया था। पानी निकासी की समस्या को देखते हुए व्यापारियों ने अपने खर्चे पर नालियां बनवाई थीं, लेकिन सफाई न होने के कारण अब वही नालियां बंद हो गईं, जिससे घरों का गंदा पानी सीधे सड़क पर भर रहा है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोग मजबूरी में कीचड़ भरे पानी से होकर गुजरने को विवश हैं। कई दिनों से व्याप्त जलभराव की इस समस्या को लेकर व्यापारियों में गहरा रोष है।

व्यापारियों ने डीएम से हस्तक्षेप कर हाईवे पर भरे गंदे पानी से जल्द छुटकारा दिलाने की मांग की है। ग्राम प्रधान नीलिमा पांडेय ने बताया कि सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी एसआईआर में लगने के कारण वे कस्बे में नहीं आ पा रहे, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि जैसे ही सफाई कर्मचारी उपलब्ध होंगे, नालियों की सफाई कराई जाएगी।

विकास अधिकारी ने कुछ भी बोलने से किया इंकार

ग्राम पंचायतों के विकास और बुनियादी सुविधाओं से सीधा संबंध ग्राम विकास अधिकारी का होता है। जब जिम्मेदार अधिकारी ही बात करने से साफ इंकार कर दे तो इसका मतलब क्या समझा जाए। मझगईं की ध्वस्त और चरमराई साफ-सफाई व्यवस्था के बारे में जब ग्राम विकास अधिकारी बलराम राणा से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

एंबुलेंस अव्यवस्था के विरोध में सौंपा ज्ञापन

गोला में तहसीलदार को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- मिशन सामाजिक परिवर्तन ने की जिला अस्पताल में व्यवस्था सुधार की मांग

अमृत विचारः मिशन सामाजिक परिवर्तन एक नई दिशा के संस्थापक/अध्यक्ष रमाकान्त चौधरी एडवोकेट के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसील परिसर में एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार भीमचंद को सौंपा है।

ज्ञापन में कहा गया कि जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में रेफरल प्रक्रिया पूरी होने से पहले एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाती और यह देरी कई बार मरीजों के जीवन पर भारी पड़ जाती है। गंभीर मरीजों को तुरंत एंबुलेंस न मिल पाने की समस्या लंबे समय से आमजन झेल रहे हैं। गत दिवस इसी अव्यवस्था के चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला में एंबुलेंस की देरी के कारण एक व्यक्ति की जान चली गई।

उन्होंने मांग की है कि प्रत्येक सरकारी अस्पताल में कम से कम एक या दो एंबुलेंस 24 घंटे अस्पताल के प्रत्यक्ष नियंत्रण में उपलब्ध कराई जाएं। गंभीर मरीजों के लिए रेफर लेटर की औपचारिकता के इंतजार के बिना तुरंत एंबुलेंस उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू की जाए। एंबुलेंस सेवा में अनावश्यक विलंब करने वाले जिम्मेदार कार्मिकों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता के अनुसार अस्पतालों में अतिरिक्त एंबुलेंस स्वीकृत की जाए।

संगठन ने कहा कि यह व्यवस्था लागू होने से अनावश्यक देरी रोकी जा सकेगी और कई कीमती जिंदगियां बचाई जा सकेंगी। ज्ञापन देते समय विवेक कुमार गौतम एडवोकेट, अशर्फीलाल गौतम, विक्रम सिंह एडवोकेट, मनोज रावत एडवोकेट, महेश चंद्र वर्मा एडवोकेट, कल्पना तिवारी एडवोकेट, सरजीत कुमार एडवोकेट, अनुज कुमार गौतम एडवोकेट, चुन्नीलाल एडवोकेट, संतोष भारती एडवोकेट, राजेश गौतम, सचिन राठौर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

समस्याओं के निदान को कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर नगर की कई समस्याओं के निदान की मांग की है।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में बरती जा रही ढिलाई और बीएलओ की निष्क्रियता को लेकर चिंता जताते हुए निराकरण की मांग की। मतदाता सूची पुनरीक्षण में जनता को न तो सही तरह से फार्म उपलब्ध कराए जा रहे हैं और न ही सही जानकारी उपलब्ध की जा रही है। शिकायत करने पर बीएलओ द्वारा शिकायतकर्ताओं से अभद्रता करने की भी घटनाएं संज्ञान में आ रही हैं। इसको लेकर प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूर्ण करने की व्यवस्था करने की मांग की गई।

गोला में तहसीलदार को ज्ञापन देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

- मतदाता सूची पुनरीक्षण में ढिलाई पर बीएलओ की निष्क्रियता पर उठाए सवाल

गोला के शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्य में तीर्थ सरोवर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा का संरक्षण, सौंदर्यकरण करने की मांग की। चीनी मिल चालू हो जाने से हो रही जाम समस्या का समाधान करने की मांग की गई। नगर के बाहर ट्रॉलियों को एक यार्ड में खड़ी कर रात में एक साथ निकासी की पुरानी व्यवस्था को लागू करने की भी मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में रामकुमार वर्मा, प्रेमकुमार वर्मा, सुशील गुप्ता एडवोकेट, प्रदीप रघुनायक अर्कवंशी आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

गन्ना उतराई के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचारः गोविंद शुगर मिल ऐरा के गन्ना सेंटर नैनापुर प्रथम पर किसानों में भारी नाराजगी व्याप्त है। किसानों से गन्ना उतराई के नाम पर 100 रुपये शुल्क मांगे जाने के विरोध में सेंटर पर पिछले चार दिनों से गन्ना तौल पूरी तरह बंद पड़ी है। सोमवार को नाराज किसानों ने सेंटर पर जमकर प्रदर्शन किया और चीनी मिल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

धौरहरा तहसील क्षेत्र के गोविंद शुगर मिल के गन्ना क्रय केंद्र नैनापुर प्रथम पर किसानों की ट्रालियों से गन्ना उतराई के नाम पर अवैध तरीके से 100 रुपये वसूलने का विरोध करते हुए किसानों ने तौल बंद करा दी। किसानों की गन्ना भरी चार दिन से ट्रालियां सेंटर पर खड़ी है।

नैनापुर प्रथम गन्ना क्रय केंद्र पर प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

किसानों का कहना है कि मिल पहले से ही 9.25 रुपये प्रति क्विंटल की कटौती कर रही है। इसके बावजूद सेंटर पर अलग से उतराई शुल्क की मांग की जा रही है, जिसे वे सीधा शोषण बता रहे हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियां चार दिनों से सेंटर पर खड़ी हैं, जिनमें भरा गन्ना सूख कर खराब होने लगा है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है। नैनापुर गांव के किसान कौशल वर्मा, रामप्रताप वर्मा, सुमित मौर्य, वीरेंद्र कुमार, मलखे, हरिओम, नीरज आदि का आरोप है कि समस्या की सूचना मिल प्रबंधन और संबंधित जिम्मेदारों को कई बार दी गई, लेकिन न तो प्रबंधन का कोई अधिकारी और न ही कर्मचारी मौके पर पहुंचा, जिससे किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

- उतराई के नाम पर 100 रुपये मांगने पर भड़के किसान
- नैनापुर प्रथम गन्ना सेंटर पर चार दिन से तौल है बंद

> सेंटर पर लोडर न होने से दिक्कत हुई है, कल तक तोल सुरु हो जाएगी, यदि किसानों से गन्ना उतराई ली जा रही है तो गलत है जांच कराएंगे।
> –वेद प्रकाश सिंह, जिला गन्ना अधिकारी।

एनसीसी संगठन नहीं, यह जीवन शैली है

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को एनसीसी का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि एनसीसी बटालियन के नायब सूबेदार हरपाल सिंह ने कहा कि एनसीसी एक संगठन नहीं है, यह जीवन की शैली है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत कुमार पाल ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स की परेड के माध्यम से मुख्य अतिथि को सलामी देकर की गई। इसके बाद एनसीसी यूनिट के एएनओ डॉ. अमित सिंह ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम की रूपरेखा और एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डाला। राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सौरभ वर्मा ने एनसीसी के आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन को व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी कैडेट्स। ● अमृत विचार

मुख्य अतिथि नायब सूबेदार हरपाल सिंह ने कहा कि एनसीसी सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, भावना है, संस्कार है, जीवन शैली है। आज पूरा विश्व भारत की ओर उम्मीद से देख रहा है, तब युवाओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। हमें भारत को विश्वगुरु बनाने में योगदान देना होगा। प्राचार्य प्रो. हेमंत पाल ने कहा कि एनसीसी की वर्दी अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्रीय चेतना की जिम्मेदारी भी साथ लाती है। उन्होंने कैडेट्स से भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया।

कैडेट्स के बीच रस्साकशी, खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समारोह के अंत में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के डॉ. मानवेन्द्र यादव, डॉ. रचित कुमार, योगेश दुबे, धर्मनारायण, अध्यापक, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

नेकी की दीवार गरीब बेटी को देगी दहेज का सामान

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचारः नेकी की दीवार द्वारा निरंतर लोगों की मदद के लिए एक दूसरे का साथ दिया जाता है। पदाधिकारियों ने शहर के एक गरीब परिवार को शादी के उपहार स्वरूप जरूरी सामान मुहैया कराया।

संस्था अध्यक्ष गुरमेल सिंह, कार्यक्रम संयोजक रिजवान अंसारी, निरंजन शर्मा, अमित सिंह, विकास चौधरी, कपिल कक्कड़, रिकी गुप्ता एवं प्रीत इनवर्टर के सहयोग से गरीब परिवार को नेकी की दीवार टीम ने दहेज का सामान दिया। संस्था अध्यक्ष गुरमेल सिंह का कहना है कि पूरे भारत में लोगों के सहयोग से भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम में भी पिछले कई दिनों में यातायात और अन्य प्रकार के कार्यक्रमों में लोगों की सहूलियत के लिए कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न शहरों में बाइक चालकों में जरूरतमंद, गरीब, मजदूर, असहाय लोगों को हेलमेट बांटकर यातायात का पाठ पढ़ाया जा रहा है, जिसमें लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

गरीब बिटिया की शादी के लिए दहेज का सामान खरीदते पदाधिकारी।

सड़क निर्माण को हरिवंश पुराण पाठ शुरू

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः मैगलगंज में मढ़िया रोड से जुड़े जर्जर संपर्क मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर एक अनोखा विरोध देखने को मिला। पंचायत सदस्य बाबा रछपाल ने सड़क निर्माण न होने पर हरिवंश पुराण का अनवरत पाठ शुरू कर दिया और एलान किया कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी ठोस आश्वासन नहीं देंगे, तब तक पाठ जारी रहेगा।

पाठ शुरू होते ही धीरे-धीरे मोहल्ले वालों की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने बताया कि यह मार्ग वर्षों से खराब हालत में है। बारिश के दिनों में मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई अधिकारी संज्ञान लेने नहीं आया। सबसे गंभीर बात यह है कि इसी मार्ग पर एक इंटर कॉलेज स्थित है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र उसी कीचड़युक्त और रुका हुआ पानी भरे रास्ते से होकर गुजरने को मजबूर हैं।

सड़क निर्माण को लेकर हरिवंश पुराण का पाठ करते पंचायत सदस्य बाबा रछपाल।

लोगों ने कहा कि दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है, लेकिन फिर भी जिम्मेदारों की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया। जैसे ही सड़क निर्माण मांग और पुराण पाठ की सूचना खंड विकास अधिकारी पसगवां मोहित कौशिक तक पहुंची, उन्होंने एडीओ पंचायत को मौके पर भेजा।

- एडीओ पंचायत के आश्वासन के बाद पंचायत सदस्य ने समाप्त किया पाठ

एडीओ पंचायत ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बात की और समस्या के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद पंचायत सदस्य बाबा रछपाल ने हरिवंश पुराण पाठ समाप्त किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे अब सड़क निर्माण कार्य शुरू होने का इंतज़ार कर रहे हैं और यदि वचन पूरा नहीं हुआ तो आंदोलन फिर तेज किया जाएगा।

बेलरायां में तीन दिन से लग रहा 3 किमी जाम

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः सरजू सहकारी चीनी मिल बेलरायां का पेराई सत्र शुरू होते ही बेलरायां क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मिल चले अभी एक हफ्ता भी पूरा नहीं हुआ, लेकिन सड़क पर तीन से चार किलोमीटर लंबा जाम लगने लगा है। यह जाम इतना भयावह रूप ले चुका है कि कस्बे में आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है।

बेलरायां और उसके आसपास करीब छह से अधिक ऐसे स्कूल हैं, जिनके बच्चों को इसी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। हालात ऐसे हैं कि छोटे बच्चे भी घंटों जाम में फंसे रहते हैं। इसके अतिरिक्त बेलरायां भारत-नेपाल सीमा का क्षेत्र होने के कारण सुरक्षा एजेंसियों की गाड़ियां भी इसी रास्ते का उपयोग करती हैं। एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाएं भी जाम में लंबे समय तक फंसी रहती हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना या आपदा की आशंका बनी रहती है। तीन दिनों से लगातार लग रहे जाम से कस्बे के व्यापारी भी परेशान हैं। व्यापारी सतीश अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, चंद्रमोहन, प्रमोद कुमार और छोटेलाल ने बताया कि जाम की वजह से ग्राहक बाजार तक पहुंच ही नहीं पाते। दिनभर दुकानें खाली पड़ी रहती हैं, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले सीजन में भी इसी तरह जाम लगता था। उस समय व्यापारियों ने मजबूर होकर बाजार बंद कर चक्का जाम किया था, तब जाकर कुछ राहत मिली थी।

बेलरायां-सिंगाही मार्ग पर लगा तीन किलोमीटर लंबा जाम। ● अमृत विचार

- स्कूल बच्चे, एम्बुलेंस और सुरक्षा एजेंसियों की गाड़ियां घंटों फंसी रहीं

क्षमता से अधिक पर्चियां काटना बना जाम का कारण

व्यापारियों और किसानों ने मिल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही को इस समस्या की जड़ बताया है। उनका कहना है कि सीसीओ त्रिलोकी नाथ को यह अंदाजा ही नहीं कि मिल प्रतिदिन कितने गन्ने की पेराई कर सकती है। इसके बावजूद क्षमता से अधिक पर्चियां जारी की जा रही हैं, जिससे एक साथ बड़ी संख्या में खेतों की ट्रॉलियां और वाहन मिल क्षेत्र में पहुंच जाते हैं और जाम की स्थिति बनती है और किसानों तथा अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। किसानों और व्यापारियों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मिल प्रशासन ने जल्द ही पेराई क्षमता के अनुरूप पर्चियां जारी नहीं कीं व जाम की समस्या का समाधान नहीं किया, तो वे एक बार फिर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

एसडीएम ने बूथ कैंपो का किया निरीक्षण

गणना प्रपत्रों का निरीक्षण करते एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैगलगंज

- 4 दिसंबर तक सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने का लक्ष्य

अमृत विचारः कस्बा मैगलगंज के संविलियन विद्यालय व खखरा में चल रहे एसआईआर अभियान के तहत लगाए गए बूथ कैंपो का एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता ने निरीक्षण किया। कैंप में सभी बीएलओ और सुपरवाइजर मौजूद रहे।

एसडीएम ने बताया कि अभियान 4 दिसंबर तक जारी रहेगा और लक्ष्य है कि क्षेत्र के प्रत्येक पात्र मतदाता का गणना प्रपत्र पूर्ण रूप से भरा जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे न केवल स्वयं अपना प्रपत्र भरें बल्कि अपने पड़ोसियों और परिचितों को भी प्रेरित करें कि वे समय से बीएलओ की मदद से गणना प्रपत्र अवश्य भरें। एसडीएम ने बूथ पर मौजूद बीएलओ से एक-एक विवरण की जानकारी ली और निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों की एंट्री शत-प्रतिशत सही और त्रुटिरहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने डिजिटाइजेशन प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाने और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ग्रामीणों को अभियान की महत्ता, प्रक्रिया और गणना प्रपत्र सही तरीके से भरने की विधि के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों की शंकाओं को एसडीएम ने मौके पर ही सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, पत्नी गंभीर

खमरिया, अमृत विचारः बहराइच जिले के सम्पतपुरवा नौगना थाना मूर्तिहा निवासी कुलदीप (30) पुत्र कैलाश अपनी पत्नी के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर थाना महरिया के निकट ही सोमवार को एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में तेज रफ्तार से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार छिटक कर दूर जा गिरे। हादसे में बाइक चला रहे कुलदीप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद मौके से फरार हुए अज्ञात वाहन की पुलिस तलाश कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

कन्या भोज, भंडारे के साथ गायत्री महायज्ञ का समापन

केशवापुर, अमृत विचार : गोला क्षेत्र के गांव इमलिया में बरम बाबा देवस्थान पर चार दिवसीय पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा सम्मेलन का सोमवार को कन्याभोज, भंडारे के बाद समापन हो गया। कार्यक्रम को गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार से जुड़े यज्ञ आचार्य सत्यनारायण वर्मा, रामनरेश वर्मा और सुशील गुप्ता ने गायत्री परिवार के नियमानुसार सस्वर गान और देव पूजन सर्वतोभद्र पूजन के साथ सम्पन्न कराई। विश्व कल्याण की कामना की। यज्ञ आचार्य ने बताया कि प्रत्येक घर में नित्य आहुति देने के बाद भोजन को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न वैदिक कर्मकांड के सूक्ष्म और व्यवहारिक पक्षों की विस्तृत जानकारी दी। लोगों को सगीतमयी सत्संग के माध्यम से कथा का रसपान कराया। दो यजमानों ने दीक्षा ली और बीती शाम को यज्ञस्थल पर 2400 दीपों को प्रज्वलित किया गया। पांच यज्ञ कुंड बनाये गये थे, जिनमें प्रतिदिन 24 जोड़ों ने आहुतियां डालकर आयोजन सम्पन्न कराया।

ढखवा चौकी क्षेत्र में बंद नहीं हो रहा अवैध मिट्टी खनन

तीन-चार दिन से चल रहे मिट्टी खनन का किसी प्रशासनिक अधिकारी ने नहीं लिया संज्ञान , खनन का कारोबार पुलिस की का जरिया

संवाददाता, बिलहरी

अमृत विचार: हैदराबाद थाना की ढखवा पुलिस चौकी क्षेत्र में गोला रजागंज रेलवे लाइन के निकट कटान स्थल के पास कई दिनों से अवैध मिट्टी खनन का कार्य चल रहा है। लोगों का कहना है कि हल्का लेखपाल व चौकी इंचार्ज की मिलीभगत से अवैध मिट्टी खनन हो रहा है।

तीन-चार दिनों से चल रहे अवैध मिट्टी खनन का किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने अब तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। वहीं हैदराबाद पुलिस ने भी अपनी आंखों में काली पट्टी बांध रखी है। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे आम जन मानस में सरकार की छवि खराब हो रही है। वहीं खनन माफिया सरकार के लाखों रुपये के राजस्व को भी रोजाना चूना लगा रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं इसी चौकी क्षेत्र के गांव सेमरई में खेतों को खोदकर जानवरों व आम जनमानस के लिए कब्रगाह बना दी है। बड़े-बड़े गड्ढे होने के चलते उसमें कोई घटना होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

पड़ोस के गांव शेरपुर, कोरबा, राजेपुर, कोरैया, कंधरापुर, कोटवारा मुख्य खनन के केंद्र बने हुए हैं, जहां से सैकड़ों ट्रालियां अवैध रूप से मिट्टी खनन कर बेखौफ भर्राटा भर रही है, जिनसे पुलिस की अच्छी कमाई होती है।

मिट्टी भरकर जा रहा डंपर।

> हम किसी भी मिट्टी आदि के खनन को नहीं रोक सकते हैं। उसके लिए खनन विभाग है। वैसे भी लोग घरेलू उपयोग के लिए मिट्टी ले जा रहे हैं, वह जायज है।
> **-सुनील कुमार मलिक,** थानाध्यक्ष हैदराबाद।

एसडीएम बोले, मामले की नहीं है जानकारी

एसडीएम निघासन राजीव निगम से इस अस्थाई और अवैध रूप से बनाए गए पुल के बारे में पूछा तो उन्होंने पुल निर्माण की जानकारी होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे इस अस्थायी पुल के निर्माण की सूचना नहीं है। मामला सामने आया है। तत्काल जांच कराई जाएगी और नियमों के विरुद्ध पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम के इन बयानों से साफ है कि स्थानीय प्रशासन को अवैध निर्माण की जानकारी तक नहीं थी, जबकि यह पुल पिछले कई दिनों से तैयार किया जा रहा था।

खनन ठेकेदारों ने बालू निकासी को बनाया अवैध पुल

सिंगाही , अमृत विचार : जौराहा नदी पर शासन-प्रशासन वर्षों से स्थायी पुल निर्माण की जरूरत तो मानता रहा है, लेकिन लेकिन यह कार्य अब तक नहीं करा सका। वहीं दूसरी ओर इलाके में आवंटित खनन पट्टे के बाद ठेकेदारों ने सिर्फ बालू निकासी के लिए होम पाइप डालकर नदी पर अस्थायी पुल बनाकर प्रशासनिक अक्षमता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। इसको लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर भी जारी है। जानकारी के मुताबिक, जौराहा नदी में खनन कार्य के लिए लखीमपुर के ठेकेदारों को पट्टा आवंटित किया गया है। पट्टा उसी हिस्से में है, जिसे लंबे समय से तेज कटान प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है। ठेका मिलने के बाद ठेकेदार की ओर से मांझा की ओर जाने वाले पुराने मार्ग का उपयोग करने के बजाय नदी के बीच होम पाइप डालकर अस्थायी पुल निर्मित कर दिया गया है। इस पुल को मजबूती देकर बालू से भरे डंपरों और भारी वाहनों को निकालने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्य पूरी तरह अवैध है और नदी के प्राकृतिक प्रवाह के साथ पर्यावरण संरक्षण नियमों का भी खुला उल्लंघन है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन विभाग की शह और प्रशासन की अनदेखी के कारण ठेकेदारों को मनमानी करने का मौका मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह इलाका हर वर्ष कटान से प्रभावित होता है। नदी की धारा में हस्तक्षेप से कटान और बढ़ सकता है। अब लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि यदि किसी निजी स्वार्थ के लिए नदी पर पुल बन सकता है, तो स्थायी जनहित पुल अब तक क्यों नहीं बन सका? ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई और अस्थायी पुल को हटाने की मांग की है।

- शासन-प्रशासन वर्षों में नहीं कर पाया कार्य, एसडीएम ने जताई अनभिज्ञता

युवक शारदा बैराज में कूदा, गोताखोरों ने बचाई जान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना शारदा नगर के गांव कोठिया निवासी आदित्य वर्मा किसी घरेलू विवाद के कारण मानसिक रूप से परेशान था। वह सुबह बैराज पर पहुंच गया और उसने अचानक नदी में छलांग लगा दी। लोगों ने उसे कूदते देखा तो आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। शारदा नदी के गहरे और तेज बहाव को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों को आशंका थी कि युवक बहाव में बह जाएगा, लेकिन किस्मत से वह बैराज के एक गेट में अटक गया। इस वजह से उसके डूबने की आशंका कम हुई। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तेजी दिखाते हुए बैराज में छलांग लगा दी और उसे रस्सा और बल्ली डालकर सावधानीपूर्वक युवक को कुछ मिनट के प्रयास के बाद बाहर निकाल लिया। प्रभारी निरीक्षक शारदानगर मनोज सिंह ने बताया कि युवक घरवालों से किसी बात से नाराज होकर बैराज में कूद गया था। समय रहते सूचना मिल गई और टीम ने उसे सुरक्षित निकाल लिया। अब उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

नए श्रम कानून पर यूपीएमएसआरए ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: केंद्र सरकार के चार नई श्रम संहिताओं के लागू किए जाने के बाद श्रमिक संगठनों में नाराजगी बढ़ गई है। श्रम संहिताओं को मजदूर-विरोधी बताते हुए यूनाइटेड प्रोफेशनल एंड मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया और 24 से 26 नवंबर तक काला दिवस मनाने की घोषणा की है।

यूपीएमएसआरए के जनरल सेक्रेटरी विमलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कार्यरत मेडिकल और सेल्स रिप्रेजेंटेटिव प्रमुख और एकमात्र ट्रेड यूनियन है और एफएमआरएआई से संबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिताएं श्रम सुधार के नाम पर लागू की गई हैं, जबकि वे बड़े कॉरपोरेट घरानों के मुनाफे के लिए श्रमिकों को 'आधुनिक गुलामी की ओर धकेलती हैं। संगठन का कहना है कि 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर देना मजदूरों के कानूनी सुरक्षा कवच को खत्म करने जैसा है। नई संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट और हड़ताल के अधिकार का अपराधीकरण सबसे खतरनाक प्रावधान हैं, जो श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। मांग की है कि इन मनमानी और जनविरोधी श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लिया जाए। संगठन के बैनर तले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में हजारों सेल्स प्रमोशन कर्मचारी 24 से 26 नवंबर तक काला दिवस मनाएंगे। इस दौरान कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करेंगे तथा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला मजिस्ट्रेटों के माध्यम से भेजेंगे। इसी क्रम में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, विभिन्न औद्योगिक फेडरेशनों और स्वतंत्र श्रमिक संगठनों ने संयुक्त किसान मोर्चा के सहयोग से 26 नवंबर को प्रतिवाद और अवज्ञा दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है।

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते यूपीएमएसआरए के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- केंद्र पर कॉरपोरेट हित साधने का लगाया आरोप

अंतरविद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता में लविशा प्रथम

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कुंवर खुशवक्त राय बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित वीरेंद्र सरोज गुप्ता स्मारक बालिका बैडमिंटन टूर्नामेंट में भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा लविशा तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुपर सीनियर वर्ग की एकल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लविशा ने टूर्नामेंट में अपने बेहतरीन खेल कौशल से सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। टूर्नामेंट में विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। आयोजकों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कॉलेज लौटने पर प्राचार्य प्रो. गीता शुक्ला ने लविशा को बधाई दी और सम्मानित किया। इस दौरान शिक्षिका वीना चौरसिया और शिवांगी सक्सेना भी मौजूद रहीं।

लविशा को सम्मानित करतीं प्राचार्या प्रो . गीता शुक्ला।

खबरें www. amrit vichar.com पर भी पढ़ें

कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

संख्या–1708/ न्याय सह — दिनांक: 07 नवम्बर, 2025

विज्ञप्ति

विशेष सचिव, उ0प्र0 शासन न्याय अनुभाग–3 (नियुक्तिया) लखनऊ के शासन के पत्र दिनाँक 27.10.2025 के कम में जनपद शाहजहाँपुर में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के एक रिक्त पद पर विधि परामर्शी निदेशिका में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत आबद्धता हेतु पैनल गठन की कार्यवाही पूर्ण कर शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निम्न निर्धारित प्रारूप पर आवेदन–पत्र आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं.	रिक्त पद	रिक्त पद की सख्या
1	सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी)	1

आवेदन–पत्र का प्रारूप

स्व प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा।

1–पदनाम जिसके लिये आवेदन किया गया–........................
2–आवेदक का नाम..
3–आवेदक पिता का नाम...........................
4–स्थायी / वर्तमान पता.................................
5–जन्म तिथि (हाईस्कूल परीक्षा प्रमाण–पत्र की प्रमाणित प्रति सहित)
6–शैक्षिक योग्यत्ता..
7–व्यवसायिक योग्यता...
8 अधिवक्ता के रूप में अनुभव.................. 9–विधि व्यवसायी के रूप में पंजीयन संख्या......................
(अ) प्रादेशिक (ब) स्थानीय
10–हिन्दी में प्रवीणता–
(स्वयं प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा)
11–विगत तीन वर्षो में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी का विवरण पैन नम्बर अथवा आयकर रिटर्न की प्रमाणित प्रतियों सहित।, 12–विगत दो वर्षो के दौरान किये गये विधि कार्य का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण सफलता के प्रतिशत सहित, 13–अन्य विवरण यदि कोई हो
दिनोंक–..

आवेदक का नाम / हस्ताक्षर
दूरभाष/मो0 संख्या–

उक्त पद के लिये अर्हतायें, शर्ते एवं निर्देश– 1. आवेदक को विधि स्नातक के साथ बार का सदस्य होने एवं तत्संबंधी प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। 2. सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौ0) पद के लिये 07 वर्ष, विधि कार्य का अनुभव अनिवार्य है। 3. आवेदक की हिन्दी में प्रवीणता आवश्यक है। 4. आवेदक को विगत तीन वर्षो में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी के संबंध में साक्ष्य देना आवश्यक है। 5. आवेदक के द्वारा विगत दो वर्षो में फौजदारी वादों में किये गये विधि व्यवसाय का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण आवेदन–पत्र के साथ लगाना होगा। .6 आवेदक की आयु 60 वर्ष से कम होनी चाहिये। 7. सभी तथ्यों के संबंध में प्रमाण–पत्रों की प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न की जाये। 8. आवेदन पत्र स्वच्छ पठनीय लिपि में निर्धारित प्रारूप पर अपेक्षित विवरण / प्रमाणिक अभिलेखों सहित होनाचाहिये तथा पद की अर्हतायें एवं निर्देशों के पालन न होने की दशा में आवेदन–पत्र पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा। 9. आवेदन पत्र, प्रकाशित विज्ञप्ति की तिथि से 15 दिवस के अन्दर कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर (न्याय सहायक) को 03 प्रतियों में पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किये जायेंगे। विलम्ब से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

UP – 241206 दिनांक: 21/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(धर्मेन्द्र प्रताप सिंह),
जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग पलिया के तहत दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन के कार्मिकों और पलिया रेंज स्टाफ ने गांव मकनपुर में मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम पर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें वन कर्मियों ने ग्रामीणों को जंगल से लगे क्षेत्रों में बढ़ती वन्यजीव गतिविधियों के मद्देनजर सुरक्षा के उपाय बताए।

मोटीवेटर नाजरुन निशा ने कहा कि गन्ना कटाई का समय वन्यजीवों के खेतों में छिपे होने की आशंका को बढ़ा देता है। ऐसे में लोग सुबह अंधेरे में खेतों पर न जाएं। समूह में जाएं, आवाज करते हुए आगे बढ़ें और खेतों में काम करते समय बातचीत करते रहें, ताकि जंगली जानवरों को मनुष्य की उपस्थिति का आभास हो सके। उन्होंने कहा कि बाघ, तेंदुआ, हाथी जैसे हिंसक वन्यजीवों के दिखने या उनकी गतिविधि का संदेह होने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने ग्रामीणों से अनावश्यक जोखिम न लेने, बच्चों को अकेले खेत या जंगल की ओर न भेजने और रात में खेतों पर न रुकने की अपील की। कार्यशाला में अन्य वन कर्मियों व जागरूक ग्रामीणों ने अपने अनुभव साझा कर लोगों को आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया। मकनपुर ग्राम पंचायत जंगल से सटी होने के कारण अक्सर हिंसक वन्यजीवों की गतिविधियों का केंद्र बनी रहती है, ऐसे में विभाग लगातार जागरूक करता है।

22 सदस्यीय श्रीराम भक्तों का दल अयोध्या के लिए रवाना

गोला से रवाना होते श्रीराम भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी से सोमवार को 22 सदस्यीय श्रीराम भक्तों का दल अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फूल बाबा आश्रम से तिलक, वंदन, पुष्प वर्षा कर रवाना किया गया।

नगर के खुटार रोड स्थित फूल बाबा आश्रम से सोमवार 24 नवंबर को श्रीराम भक्तों का 22 सदस्यीय दल अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि के ध्वजारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रवाना हुआ है। श्रीराम कथा वाचक अंजनी शरण जी महाराज की मौजूदगी में प्रमुख समाजसेवी आनंद त्रिवेदी, राजेश्वर शुक्ला, कन्हैयालाल, सुरेशचंद्र मिश्रा आदि ने श्रीराम भक्तों को अंग वस्त्र देकर उनका तिलक वंदनकर, पुष्प वर्षा की। 22 सदस्यीय श्रीराम भक्त दल में भूपेंद्र सिंह, सौरभ सिंह, मनोज वाल्मीकि, कुलविंदर, आरती, भागीराम आदि शामिल रहे।

भक्ति व शक्ति से होगा मानव कल्याण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: मोहल्ला गांधीनगर निवासी राजीव पटेल के आवास पर मानव कल्याण के मकसद से हो रही संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा एवं दिव्य सत्संग का कन्याभोज के बाद समापन अवसर पर कथावाचक सद्गुरु शरण ने नरसी के भात की एवं पीलीभीत के बरखेड़ा के विधायक प्रवक्तानंद महाराज ने श्रोताओं को भक्ति और शक्ति के महत्व के बारे में बताया। कथा सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। कथावाचक सद्गुरु शरण ने कहा कि भगवान के भजन के बिना मानव का कल्याण संभव नहीं है। कथा में विधायक अमन गिरि, डॉ. कौशल वर्मा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री सुर्जन लाल वर्मा, पूर्व नपा अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, अशोक कनौजिया, अमरीश वर्मा आदि रहे।

वाद के निर्णय हेतु सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 व 5 दीवानी प्रक्रिया संहिता (संशोधित) एक्ट 1909)
अपर उपजिलाधिकारी सदर बरेली जिला बरेली
धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006
वाद संख्या टी-202512130108676

गौरव अग्रवाल निवासी साहूकारा शहर व तहसील व जिला बरेली बनाम अनिल बाबू राठौर पुत्र बाबू राम राठौर 2. श्रीमती नीलम अनिल राठौर पत्नी अनिल बाबू राठौर निवासीगण 1. वी-न्यू बैरक चैम्बूर कालोनी बिल्डिंग नं. 25 समीर चैम्बूर मुम्बई (महाराष्ट्र) हाल निवासी स्वाले नगर नवदिया तहसील व जिला बरेली। तारीख पेशी-स्पष्ट हो कि आपके नाम याचिका दायर की गयी है अत: आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 26.11.2025 को निर्देशित स्थान पर स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा उस अधिवक्ता के माध्यम से जो वाद की स्थिति से पूर्ण रूप से भिज्ञ हो एवं वाद से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रकरण की बावत आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर सके या जिसके साथ कोई और व्यक्ति हो जो इस निमित्त प्रश्नों का उत्तर दे सके, उपस्थित हो आपके उपस्थित होने के लिये निर्धारित की गयी है एवं वाद के अन्तिम निर्णय हेतु भी प्रस्तावित है, आपके लिये अनिवार्य है कि उस दिन अपने समस्त गवाहों को जिनकी गवाही पर एवं उन समस्त दस्तावेजों के साथ जिन पर आप अपने प्रत्युत्तर के समर्थन में अभिवाक करना चाहते हैं, उसी दिन प्रस्तुत करें और आपको सूचित किया जाता है कि यदि उक्त दिनांक को आप उपस्थित न होंगे तो आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवायी और उस पर निर्णय कर कर दिया जायेगा।

मेरे व्यक्तिगत हस्ताक्षर और न्यायालयों की मुहर के साथ आज दिनांक 20.11.2025 को जारी किया गया। **असिस्टेन्ट कलेक्टर प्रथम श्रेणी/अपर उपजिलाधिकारी सदर, बरेली**

MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY Government of India
Digital India Power To Empower
INDIAai
रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
Atal Bihari Vajpayee National Institute of Electronics and Information Technology
(Under Ministry of Electronics and Information Technology, Govt. of India)
Drummond Govt. Inter College Campus
Gauhaniya Chouraha, Pilibhit - 262001, Uttar Pradesh
Website:https://nielit.gov.in/

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
द्वारा संचालित

नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना

'O' Level Software Duration: 02 Sem.
'CCC' Course on Computer Concepts

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के शिक्षित बेरोजगार 12वीं पास युवक/युवतियों के लिए नि:शुल्क एक वर्षीय अवधि का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रवेश हेतु आवश्यक अभिलेख

- ☑ 10वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
- ☑ 12वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
- ☑ जाति प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ
- ☑ 2 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो
- ☑ आय प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ (वार्षिक आय एक लाख से कम हो)
- ☑ आधार कार्ड, अपार आई.डी.
- ☑ राशन कार्ड की प्रति
- ☑ सभी अभिलेख स्वप्रमाणित व प्रमाण पत्र दो प्रतियों में

नोट:– परीक्षा फीस अभ्यर्थी द्वारा स्वयं देय होगी।

निर्धारित समय सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करें,
website - https://obccomputertraining.upsdc.gov.in/ तथा हार्ड कॉपी कार्यालय में जमा करें

उक्त योजना उ.प्र. के मूल निवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के उक्त पात्रता रखने वाले के लिए हैं। योजना का लाभ पाने हेतु संपर्क करें।

हार्डकॉपी जमा करने / जानकारी हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें
Enquiry No. : 6203739575, 05882-299295

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति
नवीन मण्डी स्थल, बिल्सी (बदायूं)

पत्रांक: कृ.उ.म.सं./2025-114 — दिनांक: 21.11.2025

दुकान/गोदाम आवंटन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल बिल्सी में 06 नग नवनिर्मित सुपर मार्केट की दुकानों एवं 03 नग गोदाम आरक्षित श्रेणी का आवंटन खुली बोली के माध्यम से किया जाना है। जिसकी नीलामी हेतु दिनांक 26.11.2025 को अपराहन् 01:00 बजे मण्डी समिति बिल्सी के सभाकक्ष में आवंटन समिति के समक्ष होगी। सुपर मार्केट की दुकानों एवं गोदामों के आवंटन हेतु आवेदन प्रार्थना पत्र रू. 250.00 तथा नियमानुसार देय जी.एस.टी. (18%) के साथ नगद जमा करके समिति कार्यालय से प्रकाशन की तिथि से 25.11.2025 सायं 05:00 बजे तक प्राप्त तथा जमा किये जा सकते हैं। उक्त वर्णित दुकानें एवं गोदामों का विवरण निम्नवत् है तथा दुकानें एवं गोदामों के आवंटन की नियम व शर्ते किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय पर उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

सुपर मार्केट की दुकानों की आरक्षण वार स्थिति:-

दुकानों की श्रेणी	कुल सं.	दुकानों में आरक्षण की स्थिति			न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित		
सुपर मार्केट बड़ी दुकानें	06	21, 25 (दो दुकानें)	27, 29 (दो दुकानें)	-	1248750.00	124875.00
		01,05 (दो दुकान)	-	-	1141500.00	114150.00

गोदामों की आरक्षण वार स्थिति-

गोदामों की श्रेणी	कुल सं.	गोदामों में आरक्षण की स्थिति		न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग		
गोदाम (100 मी.ट.)	03	01, 05 (दो गोदाम)	07 (एक गोदाम)	485000.00	48500.00

दुकान एवं गोदाम आवंटन पर सर्वाधिक प्रीमियम बोली धनराशि पर 18% की दर से जी.एस.टी. देय है।

सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3800, मसूरी- 1200, बासमती- 7700, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4640, साबुत चना दाल- 4800, मूंग साबुत- 7300, राजमा- 10000-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5000, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6400, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 3700

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा

नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन, पुलिस पर पेपर स्प्रे करने के आरोप में 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

पुलिस ने वायु प्रदूषण को लेकर इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने और उन पर हमला करने के आरोप में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।एक प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में जबकि दूसरी कर्तव्य पथ थाने में दर्ज हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को प्रदर्शन स्थल पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटनास्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल किया। स्थिति हाथापाई में बदल गई, जो असामान्य और दुर्लभ हरकत है। इस घटना में अब तक पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि इंडिया गेट कोई निर्धारित विरोध स्थल नहीं है। प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा गया था। जंतर-मंतर निर्धारित विरोध स्थल है और कोई भी अनुमति लेकर वहां प्रदर्शन कर सकता है। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक लांघकर सी-हेक्सगन को जाम कर दिया था। वे एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर बैठे रहे, जिससे जाम में फंसे लोग रास्ता खाली करने का अनुरोध कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जाने के लिए कहा, तो उन्होंने दुर्व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

हिडमा को लेकर लगे नारे

प्रदर्शन में शामिल संगठन साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (एसएफएस) ने उन समूहों से दूरी बनाई, जिन्होंने हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। एसएफएस ने बताया कि हिमखंड तथा बीएससीईएम नामक दो संगठनों ने भाकपा (माओवादी) नेता माडवी हिडमा की के संबंध में नारे लगाने शुरू कर दिए। वह ऐसे मुठभेड़ों की स्पष्ट रूप से निन्दा करता है।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिम्क ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- कोर्ट ने टूटे रिश्ते को बलात्कार का रंग देने को बताया चिंतनीय

उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है।

पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीठ ने

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

चीन ने भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया

ईटानगर, एजेंसी

- अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोका गया

ब्रिटेन में रहने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने पारगमन ठहराव के दौरान उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से इनकार करने के बाद उन्हें लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा।

प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने दावा किया कि 21 नवंबर को वह लंदन से जापान की यात्रा कर रही थीं और उनके तीन घंटे का निर्धारित ठहराव एक भयावह अनुभव में बदल गया जब आव्रजन कर्मियों ने उनके पासपोर्ट को केवल इसलिए अवैध घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश को उनके जन्मस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। थोंगडोक ने दावा किया कि चीनी अधिकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है और आगे की प्रक्रिया की अनुमति देने से पहले उन्होंने उनकी बात स्वीकार करने की मांग की। उनके परिवार का संबंध पश्चिम कामेंग जिले के रूपा से है। महिला ने रविवार को एक्स पर दावा किया कि उन्हें उचित भोजन या बुनियादी सुविधाओं के बिना पारगमन क्षेत्र तक सीमित रखा गया। थोंगडोक ने यह भी दावा किया कि उनके पास वैध वीजा होने के बावजूद पासपोर्ट जब्त कर लिया गया।

भारत की कड़ी आपत्ति

मामले में भारत ने चीन से कड़ी आपत्ति जताई और कहा है कि उसके अधिकारियों का व्यवहार अंतर्राष्ट्रीय संधियों के खिलाफ है। भारत ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास के अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया और बीजिंग में भारतीय राजदूत ने भी इस मुद्दे को उठाया।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

- जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

चंडीगढ़, एजेंसी

- कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

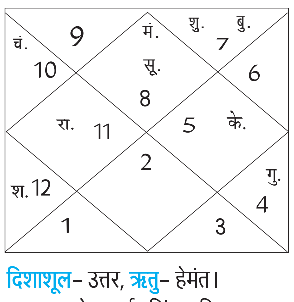

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह — आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।।

कन्या — आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर — आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन — आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू -171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिये तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार 25 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन। केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट श्रृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंततः दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो। भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

भारत

201/10 (पहली पारी) (83.5 ओवर)

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर	58
राहुल का मारक्रम बो महाराज	22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर	15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन	00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन	07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन	06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन	10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर	48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन	19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन	05
मोहम्मद सिराज नाबाद	02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

रेयान रिकेल्टन नाबाद 13	
ऐडन मारक्रम नाबाद 12	

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस

तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35 . 28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई।

उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

गृहमंत्री अमित शाह ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचाा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यो हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

- पहला टी-20 विश्व कप जीतकर भारत का नाम किया रौशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं।

उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता

से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है । लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता

लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधु ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है । मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।